Teacher's Manual

PARAKH BOOKS
Big Ideas Simply Explained

हिन्दी गौरव

Book-1 2
Book-2 10
Book-3 22
Book-4 36
Book-5 52

- उमा शर्मा
- शिल्पा अग्रवाल

हिंदी–1

Chapter 1 वर्णमाला

स्वयं करें।

Chapter 2 बिना मात्रा वाले शब्द और वाक्य

पाठ बोध

क. **1.** रथ **2.** कमल **3.** अनार **4.** सितार
5. छतरी **6.** कुटिया **7.** मूली **8.** केला
9. बैल **10.** घोड़ा **11.** बंदर **12.** प्याज

ख. **1.** कमल **2.** ताला **3.** तितली **4.** सुबह
5. सूरज **6.** कृषक **7.** केशव **8.** सैनिक
9. चोर **10.** सौदागर

ग.

बंदर

साँप

नमः

घ. **1.** (iii) **2.** (iv) **3.** (ii) **4.** (i)

Chapter 3 हमको दो वरदान

पाठ बोध

क. **1.** (a) **2.** (d)

ख. प्रभु जी! **हमको दो वरदान**,
मन में रहे **आपका ध्यान**।
करें बड़ों का हम सम्मान,
कभी न हो हमको अभिमान।।

ग. **1.** (✓) **2.** (✗) **3.** (✓) **4.** (✗)

घ. **1.** बच्चे बड़ों का सम्मान करने तथा कभी अभिमान न करने का वरदान माँग रहे हैं।

2. हमें मन में प्रभु का ध्यान करना चाहिए।

3. फूलों और फलों में प्रभु की महक है।

भाषा बोध

क. **1.** अभिमान, सम्मान **2.** फल, थल

ख. **1.** विद्यमान **2.** सम्मान **3.** अभिमान **4.** फूल

5. सहारा **6.** अंधकार

करके देखिए

स्वयं करें

Chapter **4**

बुद्धिमान मुर्गा

पाठ बोध

क. 1. (a) **2.** (a) **3.** (a)

ख. **1.** लोमड़ी मुर्गे को **खाना** चाहती थी।

2. मुर्गे को देखकर लोमड़ी के मुँह में **पानी** आ गया।

3. लोमड़ी बोली, आज सभी जानवरों ने एक **फैसला** किया है।

4. मुर्गा बहुत **बुद्धिमान** था।

ग. **1.** मुर्गा एक पेड़ के नीचे दाना चुग रहा था।

2. मुर्गे को देखकर लोमड़ी के मुँह में पानी आ गया।

3. लोमड़ी ने मुर्गे को बताया कि आज सभी जानवरों ने फैसला किया है कि कोई भी प्राणी किसी दूसरे प्राणी को नहीं मारेगा।

4. मुर्गे ने लोमड़ी से कहा–"कुछ जंगली कुत्ते आ रहे हैं।" यह सुनकर लोमड़ी भाग गई।

भाषा बोध

1. दाने **2.** मुर्गा **3.** कुत्ते **4.** फैसले

5. गधे **6.** घोड़े

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter 5 रंगों का त्योहार

पाठ बोध

क. 1. (d) **2.** (d) **3.** (a)

ख. 1. होली का त्योहार **धूमधाम** से मनाया जाता है।

2. होली फाल्गुन माह की **पूर्णिमा** को मनाई जाती है।

3. दोपहर को लोग नए **वस्त्र** पहनते हैं।

4. होली का त्योहार **भाईचारे** का त्योहार है।

ग. 1. भारत को त्योहारों का देश कहा जाता है।

2. होली फाल्गुन माह की पूर्णिमा को मनाई जाती है।

3. बच्चे पिचकारी में रंग भरकर एक-दूसरे पर डालते हैं।

4. होली के त्योहार का विशेष पकवान गुझिया बनाई जाती है।

भाषा बोध

क. 1. होली **2.** गुलाल **3.** गीता **4.** गुब्बारा

ख. 1. मनाता, मनाया, मनाएगा **2.** करता, कराया, कराएगा

3. लगाता, लगाया, लगाएगा **4.** जलता, जलाया, जलाएगा

5. मारता, मराया, मराएगा

करके देखिए

1. दीपावली **2.** दशहरा **3.** क्रिसमस **4.** रक्षाबंधन

5. ईद **6.** बैसाखी

Chapter 6 निडर बालक

पाठ बोध

क. 1. (a) **2.** (b) **3.** (a)

ख. **1.** दुमनलाल ने एक **झोंपड़ी** में से तेज धुआँ निकलते देखा।

2. दुमन को अपनी दो वर्ष की **बहन** का ख्याल आया।

3. लीलचंद हलवा की उम्र **पाँच** वर्ष थी।

4. लीलचंद हलवा बड़ा होकर **अध्यापक** बनना चाहता था।

ग. **1.** खेलते हुए अचानक दुमनलाल एक झोंपड़ी में से तेज धुआँ उठता हुआ देखकर चिल्लाने लगा।

2. कुछ ही क्षणों में दुमनलाल की झोपड़ी धू-धू करके जल उठी और वह अपनी बहन को नहीं बचा सका।

3. श्यामली, कुंती, सुकुन बाई, डेबरिन।

4. संजय चोपड़ा पुरस्कार मिला।

5. दोनों बड़े होकर अध्यापक बनना चाहते थे।

भाषा बोध

क. **1.** (v) **2.** (iv) **3.** (i) **4.** (ii) **5.** (iii)

ख. **1.** ख्याली, आख्या **2.** सच्चा, कच्चा

3. संस्कार, तिरस्कार **4.** प्रवेश, प्रकाश

5. ध्यान, अध्यापक

ग. **1.** बच्चा, बच्चा, बच्चा, **2.** बच्चियों, बच्चियों, बच्चियों

3. हार्दिक, हार्दिक, हार्दिक **4.** श्यामली, श्यामली, श्यामली

5. अध्यापक, अध्यापक, अध्यापक

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter 7

मौसम

पाठ बोध

क. **1.** (d) **2.** (b) **3.** (a)

ख. **1.** तन से बहुत **पसीना** बहता।

2. **लो घनघोर** घटाएँ छाईं।

3. शाम **सवेरे लगती** सरदी।

ग. **1.** गर्मी के मौसम में सूरज तपता है और धरती जलती है।

2. बरसात के मौसम में पानी बरसता है।

3. सर्दी अपने साथ दीवाली का त्योहार लाती है।

4. सर्दी से बचने के लिए हम ऊनी कपड़े पहनते हैं।

भाषा बोध

क. **1.** चलती **2.** रहता **3.** आई **4.** छम–छम
5. निराली **6.** वरदी

ख.

गरमी में	सरदी में	वर्षा में
रामनवमी	दीवाली	जन्माष्टमी
गुड फ्राइडे	26 जनवरी	रक्षाबंधन
होली	क्रिसमस	15 अगस्त

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter **8**

वीर बालक

पाठ बोध

क. **1.** (a) **2.** (c)

ख. **1.** कालूराम **फल** इकट्ठे करने गया था।
2. कालूराम पर **चीते** ने हमला कर दिया।
3. इस **लड़ाई** में कालूराम घायल हो गया।
4. कालूराम **बेहोश** हो गया।

ग. **1.** कालूराम मध्यप्रदेश के कोहाड़ा गाँव का रहने वाला था।
2. कालूराम फल इकट्ठे करने के लिए गया था।
3. कालूराम बारह वर्ष का था।
4. पास ही कुछ लकड़ियाँ इकट्ठी कर रहे लोगों ने उसे चीते से छुड़ाया।

भाषा बोध

क. **1.** प्लास्टर, स्टेशन
2. मरम्मत, सम्मान
3. दिल्ली, बिल्ली

ख. **1.** (iii) **2.** (iv) **3.** (i) **4.** (ii)

करके देखिए

1. शेर **2.** मोर

Chapter 9 लाल बहादुर शास्त्री

पाठ बोध

क. 1. (a) **2.** (d) **3.** (a)

ख. **1.** एक निर्धन बालक परीक्षा देने **विद्यालय** जा रहा था।

2. बालक को **नदी** पार करके विद्यालय पहुँचना था।

3. बालक नदी के किनारे **उदास** बैठा था।

4. बालक ने अपने सहपाठियों का **एहसान** नहीं लिया।

ग. 1. (✗) **2.** (✗) **3.** (✓) **4.** (✓)

घ. **1.** परीक्षा देने के लिए।

2. बालक सोच रहा था कि नदी कैसे पार करे?

3. नन्हें-नन्हें हाथों से पानी ठेलता हुआ नदी पार की।

4. वह बालक लाल बहादुर था।

भाषा बोध

क. **1.** निर्धन **2.** विद्यालय **3.** उदास **4.** तैयार

5. धन्यवाद **6.** परीक्षा

ख. 1. मित्र, साथी **2.** पाठशाला, स्कूल

3. नौका, तारिणी **4.** सरिता, तटिनी

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter 10 हमारे उपयोगी पशु

पाठ बोध

क. 1. (a) **2.** (a) **3.** (d)

ख. 1. गाय एक **उपयोगी** पशु है।

2. **दूध** पीने से शरीर का विकास होता है।

3. **घोड़ा** ताँगा खींचता है।

4. **ऊँट** रेगिस्तान में सामान ढोने के काम आता है।

5. बिल्ली **चूहों** को भगाने में हमारी सहायता करती है।

ग. 1. (iv) **2.** (i) **3.** (ii) **4.** (iii)

घ. **1.** उपयोगी पशुओं के विषय में बात की।

2. इनसे हमें पौष्टिक दूध मिलता है।

3. घोड़ा ताँगा खींचता है।

4. कुत्ता घर की रखवाली करता है व बिल्ली चूहों को भगाने में सहायता करती है।

5. ऊँट को रेगिस्तान का जहाज कहते हैं।

भाषा बोध

क. 1. पानी, नीर **2.** अश्व, तुरंग **3.** जलज, पंकज

ख. 1. बच्चे **2.** बकरियाँ **3.** कुत्ते **4.** भैंसें

5. गायें **6.** बिल्लियाँ

ग. 1. बुरा **2.** आकाश **3.** छोटा **4.** खोना

5. ज्यादा **6.** जाना

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter **11**

मुर्गा बोला

पाठ बोध

क. 1. (a) **2.** (b)

ख. बाँग देकर **मुर्गा** बोला

भोर सवेरे ही उठ जाओ।

सूरज की किरणें हैं कहतीं

अंधकार सब दूर भगाओ।

ग. 1. (✓) **2.** (✓) **3.** (✗)

घ. **1.** सूरज की किरणें अंधकार को दूर भगाने को कहती हैं।

2. प्रातःकाल फूल महकने और महकाने के लिए कहता है।

करके देखिए

स्वयं करें।

असहाय की सहायता

पाठ बोध

क. 1. (a) **2.** (d) **3.** (c)

ख. 1. मेरठ **शहर** में एक लड़का रहता था।

2. **राहुल** ने यह सब देखा।

3. बूढ़ी औरत यह सुनकर **खुश** हो गई।

4. मुझे उस **पार** पहुँचा दो।

5. भगवान तुम्हारा **भला** करेगा।

ग. 1. राहुल प्रतिदिन स्कूल जाता था।

2. सड़क पर एक बूढ़ी औरत दिखाई दी।

3. सड़क पार कराने के लिए मदद माँग रही थी।

4. राहुल ने बूढ़ी औरत को सड़क पार कराई।

भाषा बोध

क. 1. भगवान **2.** कोचवान **3.** दयावान **4.** पहलवान

5. धनवान **6.** बलवान

ख. 1. कार **2.** बस **3.** ट्रक **4.** ऑटोरिक्शा

करके देखिए

स्वयं करें।

हिंदी–2

Chapter 1

प्यारे चंदा मामा

पाठ बोध

क. 1. (a) **2.** (d) **3.** (a)

ख. 1. दूर गगन में निकले **तारे**।

2. लगते कितने **भोले-भाले**।

3. सवेरे ऐसे छिप जाते हैं।

4. अपने घर की बात सुनाना।

ग. 1. तारों के साथ चंदा मामा आये हैं।

2. सवेरा होते ही चंदा मामा छिप जाता है।

3. मामी को साथ लेकर आएँगे।

4. केला, केक, जलेबी खाएँगे।

घ. 1. प्यारे **2.** दिखलाते **3.** लाना **4.** सुनाना

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter 2

मित्र की सहायता

पाठ बोध

क. 1. (a) **2.** (d) **3.** (c) **4.** (a)

ख. 1. वह **ग्यारह** वर्ष का था।

2. मुझे इन **रुपयों** की जरूरत है।

3. बालक सीधा अपने **मित्र** के घर गया।

4. चितरंजनदास ने **देश** की बहुत सेवा की।

ग. 1. (✗) **2.** (✓) **3.** (✗) **4.** (✓)

घ. 1. (iii) **2.** (i) **3.** (iv) **4.** (ii)

ङ. 1. बालक ने पिताजी से पाँच रुपये माँगे।

2. बालक अपने मित्र के साथ बाजार गया।

3. तुमने बहुत अच्छा काम किया है।

4. इस बालक का नाम चितरंजनदास था।

च. 1. बालक ने **2.** पिताजी ने **3.** बालक ने **4.** पिताजी ने

भाषा बोध

स्वयं करें

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter 3

बकासुर का वध

पाठ बोध

क. 1. (a) **2.** (c) **3.** (a)

ख. 1. चार **भाई** भिक्षा माँगने गए हुए थे।

2. आज वह **राक्षस** मुझे भी खा जाएगा।

3. कुंती **ब्राह्मण** की परेशानी समझ गई।

4. बकासुर **भीम** पर लात-घूँसों से पिल पड़ा।

ग. 1. पांडव वन में रहकर अज्ञातवास का वचन पूरा कर रहे थे।

2. ताकि उन्हें कोई पहचान न सके।

3. बकासुर एक राक्षस था।

4. प्रतिदिन गुफा में एक व्यक्ति भोजन बनने पहुँच जाया करेगा।

5. ब्राह्मण के रोने का कारण पूछा।

घ. 1. ब्राह्मण ने **2.** कुंती ने

भाषा बोध

क. 1. भोजन-सामग्री **2.** कुंती-पुत्र **3.** नगरवासी **4.** नगर-द्वार

5. राज-पुरुष

ख. 1. नई **2.** पराया **3.** रात **4.** अंदर

5. गंदा **6.** आसमान

करके देखिए

1. युधिष्ठिर **2.** भीम **3.** अर्जुन **4.** नकुल **5.** सहदेव

✦ स्वयं करें।

Chapter 4

आम की गुठली

पाठ बोध

क. 1. (a) **2.** (d) **3.** (a)

ख. 1. एक दिन पिताजी **आम** लाए।

2. गुठलियाँ **प्लेट** में रख दीं।

3. पारुल को **गौरव** की बात अच्छी लगी।

4. कुछ दिनों में मिट्टी से **अंकुर** फूटा।

5. तुम्हारे **जन्मदिन** तक इसके फल पक जाएँगे।

ग. 1. (✓) **2.** (✗) **3.** (✓) **4.** (✓)

घ. 1. एक दिन पिताजी आम लाए।

2. गौरव ने गुठली छिपाकर रख ली, और उसे बगीचे में बो दिया।

3. पेड़ को बड़ा होने के लिए खाद और जल चाहिए।

4. गौरव के जन्मदिन पर बौर आया, इसलिए पारुल रूठ गई।

5. तुम्हारे जन्मदिन तक इसके फल पक जाएँगे।

भाषा बोध

क. स्वयं करें।

ख. 1. खट्टा **2.** छोटा **3.** आदि **4.** झूठ **5.** मोटा **6.** बुरा

ग. 1. गड्ढे **2.** पौधे **3.** भौंरे **4.** शाखाएँ **5.** पत्तियाँ **6.** ऋतुएँ

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter 5

आँखें

पाठ बोध

क. **1.** (a) **2.** (b)

ख. 1. मोटर-गाड़ी **खेल खिलौने**। **2.** **सूरज का** उजियारा दिखता।

3. दो आँखें हैं **कितनी प्यारी**। **4.** **जिनसे दिखती** दुनिया सारी।

ग. 1. आँखों से सारी दुनिया दिखती है।

2. भैया प्यारा है।

3. हरी–भरी फुलवारी है।

4. धरती की छवि प्यारी दिखती है।

5. दोनों आँखें दुनिया से न्यारी हैं।

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter 6

लाला मूँछामल

पाठ बोध

क. **1.** (d) **2.** (b) **3.** (b)

ख. **1.** गरम–गरम **जलेबी** की महक आ रही थी।

2. उसकी बेटी **दीपा** भी आ धमकी।

3. थोड़ी देर बाद उसकी **पत्नी** भी आ गई।

4. अब लाला ने **लालच** करना छोड़ दिया।

ग. **1.** (✓) **2.** (✓) **3.** (✗) **4.** (✗)

घ. **1.** लाला मूँछामल को जलेबी खाने का शौक था।

2. घर में सभी की आदत लाला मूँछामल ने खराब की।

3. जलेबी खाने के लिए।

4. हमें कभी लालच नहीं करना चाहिए और हर चीज बाँटकर खानी चाहिए।

ङ. **1.** राधेमल ने **2.** लाला मूँछामल ने

भाषा बोध

क. **1.** सुबह **2.** ठंडा **3.** पास **4.** निर्दोष

5. रात **6.** पीछे **7.** बुरी **8.** आरंभ

9. उधर **10.** अंदर

ख. **1.** मूँछामल को जलेबी खाने का शौक था।

2. मेरे घर के पास में जलेबी की दुकान है।

3. लालच बुरी बला है।

4. दीपा की आदत अच्छी है।

5. बाजार में हर प्रकार की वस्तुएँ मिलती हैं।

ग. **1.** हजम करना

2. अचानक आ जाना

3. जी ललचाना

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter 7 सदा सत्य बोलो

पाठ बोध

क. 1. (a) **2.** (d) **3.** (b)

ख. 1. सच जीवन का सर्वोत्तम **गुण** है।

2. मैंने अपने बड़े भाई की **सहायता** से सभी प्रश्नों को हल किया।

3. अमित ने **इनाम** नहीं लिया।

4. शिक्षक को बड़ा **आश्चर्य** हुआ।

ग. 1. सत्य जीवन का सर्वोत्तम गुण है।

2. शिक्षक ने घर के लिए गणित के कुछ प्रश्न दिए।

3. अमित ने बड़े भाई की सहायता से प्रश्न हल किए।

4. इनाम मिला।

भाषा बोध

क. 1. शिखर **2.** उन्नति **3.** गणित **4.** स्कूल

5. प्रश्न **6.** शिक्षा

ख. 1. बुद्धि **2.** पेड़ **3.** अमित **4.** किताब

5. शिक्षक **6.** लड़का

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter 8 समय का सदुपयोग

पाठ बोध

क. 1. (d) **2.** (a) **3.** (b)

ख. 1. समय बड़ा **मूल्यवान** होता है।

2. हमें बचपन से ही समय के **सदुपयोग** की आदत डालनी चाहिए।

3. किसी काम को **कल** पर नहीं टालना चाहिए।

4. हमें कभी भी **आलस्य** नहीं करना चाहिए।

ग. 1. हमें अपने समय को बेकार नहीं गँवाना चाहिए।

2. हाँ, हमारा जीवन बहुत अनमोल है।

3. आलस्य मानव का सबसे बड़ा शत्रु है।

4. नहीं, हमें किसी भी काम को कल पर नहीं टालना चाहिए।

भाषा बोध

क. 1. (ii) **2.** (iv) **3.** (i) **4.** (v) **5.** (iii)

ख. 1. घड़ी **2.** पुस्तक **3.** गेंद

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter **9**

हमारे राष्ट्रपिता

पाठ बोध

क. 1. (a) **2.** (c) **3.** (d)

ख. रघुपति राघव **राजा** राम,
पतित पावन सीता राम।
ईश्वर, अल्लाह **तेरे** नाम,
सबको **सन्मति** दे भगवान।।

ग. 1. (✓) **2.** (✗) **3.** (✗) **4.** (✓)

घ. 1. हमारे देश के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी हैं।

2. गांधीजी को सभी बापू कहकर पुकारते हैं।

3. गांधीजी का जन्म गुजरात के काठियावाड़ जिले के पोरबंदर में हुआ था।

4. गांधीजी का पूरा नाम मोहनदास करमचंद गांधी था।

भाषा बोध

1. मैं मेला देखने जाऊँगा।

2. हम सभी भाई-बहन हैं।

3. आप कहाँ रहते हैं?

4. तुम एक बहादुर लड़की हो।

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter 10

सरदी, गरमी और बरसात

पाठ बोध

क. **1.** (a) **2.** (c) **3.** (d)

ख. **1.** (v) **2.** (vi) **3.** (iv) **4.** (i)
5. (ii) **6.** (iii)

ग. **1.** सरदी के मौसम में।
2. गरमी के मौसम में।
3. ठंडे पानी से।
4. किसी जगह रुक जाएँगे जिससे हम भीगें नहीं।

भाषा बोध

क. **1.** गरमी **2.** गई **3.** ठंडा **4.** बुझना

ख. **1.** ज़मीन **2.** तालाब **3.** गरम हवा **4.** बारिश

ग. **1.** मुँह **2.** बूँद **3.** चाँद **4.** गाँव

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter 11

व्यवसाय

पाठ बोध

क. **1.** (a) **2.** (b) **3.** (a)

ख. **1.** किसान हमारे लिए अनाज और **सब्जियाँ** उगाता है।
2. धोबी गधे पर कपड़े लादकर **घाट** पर लाता है।
3. दरजी के पास एक सिलाई की मशीन और **कैंचियाँ** होती हैं।
4. माली **पौधे** उगाता है।
5. पुलिस चोरों और बदमाशों **को** पकड़ती है।

ग. **1.** (ii) **2.** (iv) **3.** (i) **4.** (v) **5.** (iii)

घ. **1.** नमन और प्रिया पड़ोस में घूमने निकलते हैं।
2. किसान हमारे लिए अनाज और सब्जियाँ उगाता है।
3. धोबी गंदे कपड़े धोता है।

4. माली पौधों में पानी देता है।
5. पुलिस चोरों व बदमाशों को पकड़कर हमारी सहायता करती है।

ङ. 1. नमन ने **2.** नमन ने **3.** प्रिया ने

भाषा बोध

क. 1. सब्जियाँ **2.** गधे **3.** कैंचियाँ **4.** पौधे

ख. 1. किसान **2.** धोबी **3.** दर्जी **4.** पुलिस

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter **12**

हमारा राष्ट्रध्वज

पाठ बोध

क. 1. (a) **2.** (b) **3.** (a)

ख. 1. सबसे ऊपर की पट्टी **केसरिया** रंग की है।
2. चक्र में **चौबीस** तीलियाँ हैं।
3. हमें अपने राष्ट्रीय ध्वज का **सम्मान** करना चाहिए।
4. तिरंगा हम लोगों को **प्राणों** से भी प्यारा है।

ग. 1. (✗) **2.** (✓) **3.** (✗) **4.** (✓)

घ. 1. हमारे राष्ट्रीय ध्वज में तीन रंग– केसरिया, सफेद, हरा हैं।
2. तिरंगा ध्वज हमारे राष्ट्रीय आदर्शों का प्रतीक है।
3. केसरिया रंग बल-पौरुष और त्याग का प्रतीक है।
4. चक्र निरन्तर प्रगति का संदेश देता है।
5. हमें राष्ट्रीय ध्वज विशेष अवसरों पर ही फहराना चाहिए।

भाषा बोध

क. 1. लंबाई **2.** मोटाई **3.** ऊँचाई **4.** गहराई
5. अच्छाई **6.** बुराई **7.** ठंडाई **8.** नीचाई
9. चौड़ाई **10.** गोलाई

ख. 1. राष्ट्रीय, तीन **2.** सफेद **3.** विशाल **4.** गरीब
5. हरा, हरी-भरी

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter 13

साहसी बालक

पाठ बोध

क. 1. (c) **2.** (b) **3.** (d)

ख. 1. वल्लभ की **पढ़ने** में बहुत रुचि थी।

2. वल्लभ ने **चोट** की ओर ध्यान नहीं दिया।

3. पत्थर निकालकर वल्लभ ने **गड्ढे** को मिट्टी से भर दिया।

4. गुरुजी ने वल्लभ को **हृदय** से लगा लिया।

ग. 1. वल्लभ के पैर में तेज नुकीले पत्थर से चोट लगी।

2. किसी अन्य को चोट न लगे इसलिए उसने नुकीले पत्थर को रास्ते से निकाल दिया।

3. उससे देरी से आने का कारण पूछा।

4. हमारे देश के प्रथम गृहमंत्री बने।

भाषा बोध

क. 1. सुख **2.** अच्छा **3.** शत्रु **4.** रात

5. आदि **6.** झूठ

ख. 1. मैं रोज पाठशाला जाता हूँ। **2.** गुरुजी ने वल्लभ को गले लगा लिया।

3. पत्थर बहुत मजबूत था। **4.** सड़क के बीच में नुकीला पत्थर था।

5. हमें हमेशा सच बोलना चाहिए।

करके देखिए

स्वयं करें।

1. (iii) **2.** (iv) **3.** (i) **4.** (ii)

Chapter 14

दो आलसी

पाठ बोध

क. 1. (d) **2.** (b) **3.** (b)

ख. 1. अक्कड़–बक्कड़ **आलसी** थे।

2. गाँववाले उनसे **घृणा** करते थे।

3. गाँव से बाहर **जामुन** का एक पेड़ था।

4. दूसरा आलसी उस पर **दहाड़ा**।

ग. 1. (✓) **2.** (✗) **3.** (✓) **4.** (✗)

घ. 1. भाई, यह जामुन मेरे मुँह में डाल दो। "देखूँ तो, इसका स्वाद कैसा है?"

2. ऊँटवाले ने कहा, "तुम तो बड़े आलसी हो। मैं अभी डंडे से तुम्हारी पिटाई करता हूँ।"

3. ऊँटवाले ने अपने डंडे से दोनों की खूब पिटाई की।

भाषा बोध

क. 1. वृक्ष **2.** गृह **3.** नफरत **4.** ईश्वर

ख. 1. अक्कड़ **2.** आलसी **3.** जामुन **4.** डंडे **5.** पिटाई

ग. 1. अक्कड़-बक्कड़ आलसी थे।

2. वे एक गाँव में रहते थे।

3. घरवाले उनसे दुखी थे।

4. दोनों एक पेड़ के नीचे सो रहे थे।

5. एक जामुन उनकी छाती पर गिरा।

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter 15

ठीक समय पर

पाठ बोध

क. 1. (a) **2.** (b)

ख. ठीक समय पर मौज उड़ाओ,
ठीक समय पर चलो नहाओ
ठीक समय पर खाना खाओ
ठीक समय पर पढ़ने जाओ।

ग. 1. हमें सभी कार्य ठीक समय पर करने चाहिएँ।

2. ठीक और समय।

3. ठीक समय पर सब कुछ करने से हम बड़े कहलाएँगे।

भाषा बोध

नित, ठीक

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter 16

गिलहरी की सीख

पाठ बोध

क. **1.** (a) **2.** (c) **3.** (a)

ख. **1.** राजकुमार सिद्धार्थ तपस्या करने **वन** में गए।

2. राजकुमार एक **नदी** के किनारे बैठ गए।

3. उन्होंने एक **गिलहरी** को देखा।

4. उन्होंने अपनी **तपस्या** पूरी की।

ग. **1.** राजकुमार सिद्धार्थ ने नदी के किनारे एक गिलहरी को देखा।

2. यह नदी मेरे बच्चों को बहाकर ले गई।

3. उन्हें गिलहरी से प्रेरणा मिली।

4. राजकुमार सिद्धार्थ महात्मा बुद्ध के नाम से प्रसिद्ध हुए।

भाषा बोध

क.	सच्चा	गिलहरी	तपस्या	खोज
	राजकुमार	नदी	पूँछ	छोटी

ख.	**1.** सिद्धार्थ	**2.** नदी	**3.** महात्मा	**4.** राजकुमार
	5. खोज	**6.** घर	**7.** गिलहरी	**8** ज्ञान
	9. तपस्या	**10.** पूँछ	**11.** पानी	**12.** बुद्ध

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter 17

उँगलियों की लड़ाई

पाठ बोध

क. **1.** (c) **2.** (d) **3.** (a)

ख. **1.** एक दिन हाथ की सभी **उँगलियाँ** आपस में लड़ने लगीं।

2. जो आकार में **लंबा** होता है, उसे ही सब बड़ा कहते हैं।

3. हम सब उँगलियाँ मिलकर **मुट्ठी** बन सकती हैं।

4. सचमुच **अक्ल** में तो तुम ही हम सबसे बड़ी हो।

ग. **1.** उँगलियों में 'कौन किससे बड़ा है' बात पर लड़ाई हुई।

2. लिखने-पढ़ने का कार्य अँगूठे व अँगूठे के साथ वाली उँगली से होता है।

3. छोटी उँगली ने समझाया कि हम सब मिलकर मुट्ठी बन सकते हैं। मुट्ठी में ही ताकत होती है।
4. सबसे बड़ी उँगली से रोली, तिलक लगाया जाता है।

भाषा बोध

क. **1.** उँगलियाँ **2.** अँगूठे **3.** कोने **4.** मुट्ठियाँ
5. बहनें **6.** बातें

ख. **1.** मुट्ठी **2.** खट्टी **3.** छुट्टी **4.** गड्ढा
5. मट्ठा **6.** मिट्टी

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter **18**

उदयपुर की सैर

पाठ बोध

क. **1.** (a) **2.** (b) **3.** (c)

ख. **1.** सौरव परसों दीपक के साथ **उदयपुर** पहुँच गया था।
2. **फतेहसागर** एक बहुत बड़ी झील है।
3. उदयपुर में **नाव** के आकार का होटल है।
4. गाइड ने हमें बताया कि ऐसा फव्वारा इटली की राजधानी **रोम** में भी है।

ग. **1.** (iii) **2.** (iv) **3.** (i) **4.** (ii)

घ. **1.** यह पत्र 5 सितंबर को लिखा गया।
2. उदयपुर (राजस्थान) झीलों की नगरी कहलाता है।
3. उद्यान के द्वार पर दो बड़ी-बड़ी मछलियाँ बनी हैं।
4. दोपहर को लेखक ने गुलाब बाग और चिड़ियाघर देखे।

भाषा बोध

क. **1.** निराशा **2.** रातभर **3.** छोटी **4.** उजाला
5. विदेश **6.** वहाँ

ख. **1.** मामी **2.** औरत **3.** रानी **4.** चिड़िया
5. बच्ची **6.** भांजी

करके देखिए

स्वयं करें।

हिंदी–3

Chapter 1

कामना

भाषा बोध

क. 1. (a) **2.** (c)

ख. 1. चमक रही है किरण तुम्हारी,
चमक रहे सब जल थल

2. फैल रही है कीर्ति तुम्हारी,
बन करके चाँदनी धवल

ग. 1. लाखों तारे ईश्वर का आकर्षक श्रृंगार बनकर चमक रहे हैं।

2. कवि ने कहा कि जब तुम सारा संसार चमका दो, तब मेरे जीवन के मार्ग को भी अपनी किरणों से चमका देना।

3. ईश्वर का तेज सफेद चाँदनी बनकर चमक रहा है।

भाषा बोध

1. भानु, रवि, सूरज **2.** पावक, अनल, आग

करके देखिए

स्वयं करें

Chapter 2

गंदी आदत

पाठ बोध

क. 1. (a) **2.** (b) **3.** (d) **4.** (c)

ख. 1. मखमली घास पर **छोटी-छोटी** चिड़ियाँ चहचहा रही हैं।

2. रमेश के घर का बगीचा बहुत ही **सुंदर** है।

3. रोहन की खराब आदत से पड़ोसी भी **परेशान** रहते थे।

4. रोहन अपने **घर** के आस-पास घूम रहा था।

5. हमारी **शाखाएँ** सूख जाती हैं।

ग. 1. (✓) **2.** (✗) **3.** (✗) **4.** (✓) **5.** (✓)

घ. 1. रोहन को हरे-भरे पेड़ पौधे व रंग बिरंगे फूल पसंद थे।

2. रोहन सुंदर खिला हुआ फूल देखकर तोड़ लेता।

3. रोहन ने रमेश के बगीचे में तरह-तरह के रंग-बिरंगे सुंदर-सुंदर फूल, उन पर मँडराती प्यारी-प्यारी तितलियाँ और चहचहाती चिड़ियाँ देखीं।
4. रोहन की माँ ने कहा कि तुम सभी फूलों को खिलते ही तोड़ लेते हो। इसलिए कोई तितली नहीं आती और चिड़ियाँ भी तुमसे डरती हैं।
5. रोहन ने देखा कि उसके बगीचे में बहुत से रंगों के फूल खिले हैं और तितलियाँ इधर-उधर मँडरा रही हैं। एक तितली दूसरी तितली से बोली, "चलो हम लोग चलते हैं, नहीं तो रोहन सभी फूल तोड़ लेगा तो हम कहाँ जाएँगी?"

भाषा बोध

क. 1. हरे-हरे-
एक बार प्रयोग : बगीचे में हरे पेड़ पर चिड़ियाँ चहचहा रही हैं।
दो बार प्रयोग : हरे-हरे पेड़ों पर चिड़ियाँ चहचहा रही हैं।

2. सूना-सूना-
एक बार प्रयोग : बगीचा सूना लगने लगा था।
दो बार प्रयोग : सूना-सूना बगीचा अच्छा नहीं लगता।

3. सुंदर-सुंदर-
एक बार प्रयोग : बगीचा सबसे सुंदर लग रहा है।
दो बार प्रयोग : बगीचे में सुंदर-सुंदर फूल खिले थे।

करके देखिए

स्वयं करें

Chapter **3**

नीम की आत्मकथा

पाठ बोध

क. 1. (a) **2.** (d) **3.** (a) **4.** (b)

ख. 1. **ग्रीष्मावकाश** के दिन थे।
2. राहुल को **कहानियाँ** बहुत अच्छी लगती थीं।
3. पढ़ते-पढ़ते उसे कुछ **नींद** आने लगी।
4. कुछ दूर जंगल में **नीम** का एक बड़ा पेड़ था।
5. नीम **कड़वा** होता है।

ग. 1. (iv) **2.** (vi) **3.** (i) **4.** (v)
5. (iii) **6.** (ii)

घ. **1.** राहुल कहानियों की पुस्तक पढ़ रहा था।
2. कौए ने गुठली कीचड़ में गिरा दी।
3. चार-पाँच दिन बाद एक नन्हा-सा पौधा सिर तानकर खड़ा हो गया।
4. नीम ने भूख-प्यास, सर्दी-गर्मी आदि बहुत से कष्ट भोगे।
5. नीम ने बताया कि मेरी छाल को घिस-घिस कर फोड़े-फुंसियों पर लगाया जाता है, मेरे पत्ते कीटाणु नष्ट करने के काम आते हैं और मैं सबको ठंडी छाया देता हूँ।

भाषा बोध

क. **1.** ग्रीष्मावकाश **2.** चमत्कार **3.** ध्यान **4.** अभ्यास
5. सुंदर **6.** गुठली **7.** हरियाली **8.** प्राण

ख. **1.** मुझे कहानी सुनना पसंद है।
2. नीम की पत्तियाँ कड़वी होती हैं।
3. गर्मी का मौसम आने वाला है।
4. छोटे बच्चे कोमल होते हैं।
5. नीम की पत्तियाँ कीटाणु नष्ट करने के काम आती हैं।

ग. **1.** पत्ते **2.** पुस्तकें **3.** लुएँ **4.** आँख
5. हवाएँ **6.** कौआ **7.** निबौली **8.** गुठलियाँ

करके देखिए

स्वयं करें।

पुरस्कार

पाठ बोध

क. **1.** (c) **2.** (d) **3.** (a) **4.** (b)

ख. **1.** हमारे विद्यालय में कल **पुरस्कार** वितरण समारोह है।
2. समारोह की तैयारी के प्रबंध का **उत्तरदायित्व** किस पर है?
3. समारोह लगभग **चार** बजे प्रारंभ होगा।
4. सभाध्यक्ष हमारे शिक्षा **निदेशक** हैं।
5. मैं वार्षिक परीक्षा में **प्रथम** आया था।

ग. **1.** (✗) **2.** (✓) **3.** (✓) **4.** (✗) **5.** (✓)

घ. **1.** दोनों मित्रों के नाम अमित और सुमित थे।
2. क्रीड़ा शिक्षक, संगीत शिक्षक, हिन्दी शिक्षक के ऊपर था।

3. सभाध्यक्ष को चार बजे आना था।
4. स्वागत गान तथा अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए।
5. अमित को पुरस्कार दिया गया।

भाषा बोध

क. **1.** स् + ओ + ह् + अ + न् + अ
2. प् + र् + अ + ब् + अं + ध् + अ
3. व् + इ + द् + य् + आ + ल् + अ + य् + अ
4. व् + इ + त् + अ + र् + अ + ण् + अ
5. स् + अ + भ् + आ + ध् + य् + अ + क् + ष् + अ
6. प् + उ + र् + अ + स् + क् + आ + र् + अ

ख. **1.** शत्रु **2.** कल **3.** आज **4.** समाप्त
5. पिछले **6.** अधूरी **7.** बुरा **8.** तिरस्कार

ग. **1.** विद्यालय **2.** अमित **3.** सुमित **4.** कार्यक्रम
5. समारोह **6.** पुरस्कार **7.** किताब **8.** प्रधानाचार्य

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter 5

चिड़िया रानी

पाठ बोध

क. **1.** (a) **2.** (a) **3.** (d)

ख. बया हमारी **चिड़िया** रानी, ऊँची **डालों पर** लटकाती
तिनके लाकर **महल** बनाती। खेतों से **फिर दाना** लाती

ग. **1.** बया अपना घोंसला बनाने के लिए तिनके लाती है।
2. बच्चे बया के बच्चों की निगरानी बारी-बारी से कर लेंगे।

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter 6

मूर्ख विद्वान

पाठ बोध

क. **1.** (d) **2.** (b) **3.** (c) **4.** (c)

ख. 1. चारों दोस्त जाति के **ब्राह्मण** थे।

2. चारों ने तय किया कि यात्रा **पैदल** ही की जाए।

3. कुछ दूर चलने के बाद वे लोग **जंगल** में पहुँचे।

4. भोला की **बात** राम को अच्छी न लगी।

5. राम ने **शेर** की खाल में जान डाल दी।

ग. 1. (iii) **2.** (iv) **3.** (i) **4.** (ii)

घ. 1. चारों दोस्तों के नाम मोहन, सोहन, राम और भोला थे।

2. भोला ने पढ़ाई पूरी नहीं की।

3. चारों मित्र पैसा कमाने के लिए दूसरे नगर में गए।

4. मित्रो, ये हड्डियाँ किस जानवर की हैं?

5. अंत में भोला ने कहा कि पहले मुझे पेड़ पर चढ़ने दो उसके बाद तुम्हें जो उचित लगे, वो करना।

ङ. 1. मोहन ने **2.** राम ने **3.** भोला ने **4.** भोला ने

भाषा बोध

क. 1. प् + अ + ढ् + आ + ई

2. ज् + ङ् + ग् + अ + ल् + अ

3. ह् + अ + ड् + ड् + इ + य् + आ + ँ

4. न् + आ + र् + आ + ज् + अ

5. प् + अ + र् + ई + क् + ष् + आ

6. म् + ऊ + र् + ख् + अ

ख. 1. मैं अपनी विद्या से प्राण डाल दूँगा।

2. हमें जंगल से चले जाना चाहिए।

3. आपको पता होना चाहिए कि यहाँ बहुत खतरा है।

4. तुम्हें सोचना चाहिए कि यह शेर है।

5. उसे भोला की बात मान लेनी चाहिए थी।

6. तुम यहाँ सुनसान जगह पर किसका इंतजार कर रहे हो?

करके देखिए

स्वयं करें

Chapter **7**

तेनाली का उपहार

पाठ बोध

क. 1. (a) **2.** (d) **3.** (c) **4.** (a)

ख. **1.** तेनालीराम राजा का **मनोरंजन** किया करता था।

2. राजा अपनी **घोषणा** भूल गया।

3. राजा ने व्यापारी को **ऊँट** सहित बुलाया।

4. सभी दरबारियों ने ऊँट पर **टिप्पणियाँ** कीं।

5. तेनालीराम को नगर सौंपने की कागजी **कार्यवाही** आरंभ नहीं हुई।

ग. **1.** (✗) **2.** (✓) **3.** (✗) **4.** (✗) **5.** (✓)

घ. **1.** तेनालीराम राजा का मनोरंजन किया करता था।

2. राजधानी के उत्तर में स्थित एक नगर दिया।

3. व्यापारी अरब से आया था।

4. राजा भी ऊँट देखने के लिए बेचैन थे, इसलिए राजा ने व्यापारी को महल में बुलाया।

5. महाराज मुझे लगता है, कि यह ऊँट पूर्व जन्म में कोई राजा रहा होगा और इसने किसी दरबारी से किया गया वादा पूरा नहीं किया होगा इसलिए इसे ईश्वर ने यह आकार दिया होगा।

भाषा बोध

क. **1.** दिवस, वार, अहः **2.** परमात्मा, परमेश्वर, जगदीश

3. अश्व, तुरंग, बाजि **4.** प्रासाद, राजभवन, राजनिवास

5. नरेश, भूप, अवनीश

ख. **1.** (iv) **2.** (iii) **3.** (i) **4.** (v) **5.** (ii)

ग. **1.** व्यापारी **2.** कूबड़ **3.** घोषणा **4.** पुनर्जन्म

5. दरबारी **6.** परोक्ष

घ. **1.** तेनालीराम राजा कृष्णदेव राय के दरबार में विदूषक था।

2. उसे राजा से पुरस्कार में एक नगर मिला।

3. तेनाली को नगर सौंपने की कागजी कार्यवाही शुरू हुई।

4. मुझे तो आश्चर्य है कि ईश्वर ने अजीब प्राणी बनाया ही क्यों।

5. राजा ने अपना वादा पूरा नहीं किया होगा, इसीलिए ईश्वर ने इसे यह आकार दिया होगा।

6. ऊँट को देखने के लिए सभी शिविर में पहुँच गये।

करके देखिए

स्वयं करें

संयमित जीवन

पाठ बोध

क. 1. (a) **2.** (b) **3.** (d) **4.** (b)

ख. 1. हमें सदैव भूख से **कम** खाना चाहिए।

2. स्वस्थ शरीर में स्वस्थ **मस्तिष्क** निवास करता है।

3. **बासी** भोजन नहीं खाना चाहिए।

4. आँखों की सुरक्षा हमारा पहला **कर्तव्य** है।

5. भोजन के साथ रोगों के **कीटाणु** शरीर में पहुँच जाते हैं।

ग. 1. (iv) **2.** (i) **3.** (ii) **4.** (iii)

घ. 1. हमें कमजोरी अनुभव होती है।

2. जब शरीर स्वस्थ होता है तो सभी कार्यों को करने में रुचि होती है।

3. जीवन में सफलता के लिए मन पर संयम, भोजन पर संयम, आँखों पर संयम, वाणी व दिनचर्या पर संयम रखना चाहिए।

4. हम जो भी करें एकाग्रता से तथा खूब मन लगाकर करें।

5. विद्यार्थी को मितभाषी होना चाहिए अर्थात् कम बोलना चाहिए।

भाषा बोध

क. 1. राहुल एक प्रतिभाशाली व्यक्ति है।

2. विद्यार्थी को सदैव मितभाषी होना चाहिए।

3. मैं अपनी दिनचर्या भगवान का नाम लेकर शुरू करता हूँ।

4. अपने आस-पास स्वच्छता का ध्यान रखें।

5. हमने बड़े उत्साह से दीवाली मनाई।

6. यहाँ पर धूम्रपान की बाध्यता है।

ख. 1. असफलता **2.** मरण **3.** संध्याकाल **4.** स्फूर्ति

5. अस्वस्थ **6.** अनिश्चित **7.** दिवस **8.** बुरा

9. अवनति **10.** बुरी

करके देखिए

स्वयं करें

Chapter 9

क्रिकेट का खेल

पाठ बोध

क. 1. (b) **2.** (b) **3.** (d) **4.** (a)

ख. 1. मैं अभी टेलीविजन पर **क्रिकेट मैच** देखकर आ रहा हूँ।

2. क्रिकेट के खेल में **ग्यारह-ग्यारह** खिलाड़ियों की दो टीमें होती हैं।

3. इस खेल में **गेंदबाज** गेंद फेंकता है।

4. गेंद बल्लेबाज द्वारा **सीमा-रेखा** के पार कर दी जाती है तो चौका हो जाता है।

5. **कपिल देव** ने क्रिकेट में अपने देश का नाम विश्वभर में रोशन किया है।

ग. 1. (iii) **2.** (iv) **3.** (i) **4.** (ii)

घ. 1. खेल की मिलने वाली जानकारी को कमेंट्री कहते हैं।

2. खेल के मैदान में दो अंपायर होते हैं।

3. सौ रनों को शतक कहते हैं और पचास रनों को अर्धशतक।

4. यदि बॉल सीमा-रेखा से पार कर दी जाती है तो चौका और यदि गेंद सीमा रेखा को हवा में ही पार कर जाती है तो छक्का।

भाषा बोध

1. मित्र नमन! तुम कहाँ से आ रहे हो?

2. प्रत्येक टीम में एक विकेट-कीपर, तीन-चार गेंदबाज और अन्य बल्लेबाज होते हैं।

3. आउट कैसे होते हैं?

करके देखिए

स्वयं करें

Chapter 10

वन में फिल्म बनाऊँ

पाठ बोध

क. 1. (a) **2.** (b) **3.** (c)

ख. 1. पार्श्व **गायिका कोयल ने,**
मीठे गीत पिरोए उसमें,
बिन बादल **मयूर मिल नाचे,**
बँधा समाँ जंगल में।

2. गुस्से से **सिंह उठा दहाड़,**
जंगल काँपा बारंबार,
तोड़ **कैमरा फेंकी रील**
हुआ नहीं कुछ उसको फील।

ग. 1. चंपक वन में फिल्म बनाने के सपने कालू हिरन ने देखे।
2. फिल्म के लिए हाथी दादा ने फाइनेंस किया।
3. फिल्म के लिए पार्श्व गायिका कोयल ने गीत गाए।
4. चीकू बंदर हीरो, चिक्की हीरोइन बन गए।
5. सियार ने शेर को भड़काने का काम किया।

भाषा बोध

क. 1. सपने अपने, भालू चालू **2.** आई भाई, रील फील

ख. 1. फाइनेंस **2.** डायरेक्टर **3.** विलेन **4.** प्रोड्यूसर

ग. 1. भौंकना **2.** गुर्राना **3.** दहाड़ना **4.** चिंघाड़ना
5. हिनहिनाना **6.** कुहुकना

घ. 1. साथी **2.** हँसी-मजाक **3.** हिम्मत **4.** दूसरा

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter **11**

घमंडी का सिर नीचा

पाठ बोध

क. 1. (d) **2.** (b) **3.** (c) **4.** (b)

ख. 1. बाँस के पेड़ के समीप ही एक **आम** का भी पेड़ था।
2. आम का पेड़ बहुत **मजबूत** था।
3. आम का पेड़ अपना **संतुलन** खो बैठा।
4. **घमंडी** का सिर सदैव नीचा होता है।

ग. 1. (✗) **2.** (✓) **3.** (✓) **4.** (✓) **5.** (✗)

घ. 1. (iii) **2.** (v) **3.** (iv) **4.** (ii) **5.** (i)

ङ. 1. बाँस का पेड़ पतला-सा तथा लचीला था।
2. मंद हवा ने आम के पेड़ व बाँस के पेड़ के बीच चल रहे संवाद को सुन लिया।
3. तूफानी हवा के कारण उसकी जड़ें कमजोर हो गईं और वह धराशायी हो गया।
4. घमंडी का सिर सदैव नीचा होता है।

च. 1. आम ने बाँस से **2.** बाँस ने आम से **3.** बाँस ने अपने आप से

भाषा बोध

क. 1. द्रुम, तरु **2.** वायु, समीर **3.** आम्र, रसाल **4.** जगत, विश्व

ख. 1. कमजोर **2.** उलटे **3.** मोटा **4.** गलत
5. अवज्ञा **6.** धीमा

ग. 1. आज्ञा मानने वाला — किसान अपने आज्ञाकारी पुत्र से प्रसन्न था।
2. गुस्से में — समय से कार्य पूरा न करने से अध्यापक क्रोधित हो गए।
3. आदर — माता-पिता का सम्मान करना चाहिए।
4. दुर्बल — रोहन पढ़ाई-लिखाई में कमजोर है।
5. अभिमानी — हमें कभी घमंडी नहीं होना चाहिए।

करके देखिए

स्वयं करें

Chapter **12**

विलक्षण बुद्धि बालक

पाठ बोध

क. 1. (a) **2.** (d) **3.** (c) **4.** (a)

ख. 1. गुरुजी के आदेश से वह **आश्रम** से निकल पड़ा।
2. उसकी **उदासी** दूर हो चुकी थी।
3. **वरदराज** नाम का एक बालक था।
4. पिता ने उसे पढ़ने के लिए गुरुजी के पास **आश्रम** में भेज दिया।
5. **वरदराज** की गिनती प्रतिभाशाली छात्रों में होने लगी।

ग. 1. (✓) **2.** (✓) **3.** (✗) **4.** (✓) **5.** (✗)

घ. 1. वरदराज ने उन गड्ढों को देखकर सोचा– यदि बार-बार की रगड़ से कोमल रेशों से बनी रस्सी पत्थर को भी काट सकती है, तो क्या परिश्रम करने से मुझे पढ़ना-लिखना नहीं आ सकता।
2. आगे चलकर यही वरदराज प्रसिद्ध विद्वान बना।
3. जब वह पाँच वर्ष का था तो उसके पिता ने उसे पढ़ने के लिए गुरू जी के पास आश्रम में भेज दिया, वरदराज एक मंदबुद्धि बालक था।
4. जब वरदराज को पढ़ते पाँच वर्ष हो गए और उसे कुछ समझ नहीं आया तो एक दिन गुरुजी ने निराश होकर वरदराज से कहा–बेटा वरदराज, मैं समझता हूँ कि विद्या तुम्हारे भाग्य में नहीं है। अब तुम्हें घर जाना चाहिए।
5. देवगिरि के राजा महादेव की सभा में वे महापंडित के पद पर सुशोभित हुए।

भाषा बोध

क. 1. बुद्धिमान **2.** कुख्यात **3.** तीव्रबुद्धि **4.** कमजोर
5. अविश्वास **6.** मरण

ख. 1. शिक्षक, अध्यापक **2.** लड़का, किशोर
3. जनक, जन्मदाता **4.** पुत्र, सुत

ग. 1. उसके पिता ने वरदराज को पढ़ने के लिए आश्रम भेज दिया।
2. नेताओं का काम जनता को मूर्ख बनाना है।
3. वरदराज मंदबुद्धि बालक था।
4. उसके सहपाठी वरदराज का मजाक उड़ाते थे।
5. उसके स्वर में आत्मविश्वास की दृढ़ता थी।

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter **13**

परीक्षा

पाठ बोध

क. 1. (c) **2.** (b) **3.** (c) **4.** (d)

ख. 1. गुरुजी ने अंत में **अर्जुन** को बुलाया।
2. गुरुजी ने प्रसन्न होकर अर्जुन की **पीठ** थपथपाई।
3. **अर्जुन** द्रोणाचार्य के सबसे अधिक प्रिय शिष्य थे।
4. अर्जुन **धनुर्विद्या** में सबसे अधिक कुशल थे।

ग. 1. (✓) **2.** (✗) **3.** (✗) **4.** (✓) **5.** (✗)

घ. 1. (iii) **2.** (iv) **3.** (i) **4.** (ii)

ङ. 1. गुरु द्रोणाचार्य ने कौरवों व पांडवों को तीर से चिड़िया की आँख भिदवाकर परीक्षा ली।
2. गुरु द्रोणाचार्य ने अर्जुन से कहा कि तुम्हें क्या दिखाई दे रहा है?
3. पांडवों और कौरवों के गुरु द्रोणाचार्य थे।
4. द्रोणाचार्य के प्रिय शिष्य का नाम अर्जुन था।
5. लक्ष्य को भेदने में अर्जुन सफल हुआ।

भाषा बोध

क. 1. (vi) **2.** (v) **3.** (iv) **4.** (i)
5. (ii) **6.** (iii)

ख. 1. विद्याएँ **2.** परीक्षाएँ **3.** चिड़ियाँ **4.** आँखें
5. मंजिलें **6.** असफलताएँ

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter **14**

मदर टेरेसा

पाठ बोध

क. 1. (a) **2.** (d) **3.** (c) **4.** (a)

ख. 1. अस्पताल के **अधिकारियों** ने उसे भर्ती करने से मना कर दिया।

2. **निर्मल हृदय** अर्थात् जहाँ किसी के प्रति घृणा या द्वेष न हो।

3. यह घटना **10 सितंबर**, 1946 की शाम की है।

4. उसके शरीर पर **मक्खियाँ** भिनभिना रही हैं।

5. **5 सितंबर**, सन् 1997 को ये पुण्य आत्मा संसार से विदा हो गईं।

ग. 1. (iii) **2.** (v) **3.** (ii) **4.** (i) **5.** (iv)

घ. 1. सोते समय मदर टेरेसा ने देखा कि ईसा मसीह उनसे कह रहे हैं– बच्चों को पढ़ाने के लिए बहुत से अध्यापक और अध्यापिकाएँ हैं, पर दीन–दुखियों की सेवा करने वाला कोई नहीं। तुम उनकी देखभाल और सेवा करो।

2. काली मंदिर के पास एक धर्मशाला का थोड़ा–सा हिस्सा मिल गया।

3. उनका जन्म 27 अगस्त, सन् 1910 को यूगोस्लाविया स्कॉपजे नगर में हुआ था।

4. उन्होंने देखा कि सड़क किनारे एक व्यक्ति पड़ा कराह रहा है।

5. उनके पहले आश्रम का नाम निर्मल हृदय था।

भाषा बोध

क. 1. स्त्रीलिंग **2.** स्त्रीलिंग **3.** पुल्लिंग **4.** स्त्रीलिंग
5. पुल्लिंग **6.** पुल्लिंग

ख. 1. विषम **2.** व्यय **3.** अधर्म **4.** अस्थिर
5. पूरा **6.** सुखी

ग. 1. (iv) **2.** (iii) **3.** (ii) **4.** (i)

करके देखिए

स्वयं करें।

अनमोल वचन

पाठ बोध

क. 1. (a) **2.** (d) **3.** (c)

ख. 1. रात गँवाई **सोय के दिवस गँवाया** खाय।
हीरा जनम **अमोल था कौड़ी बदले** जाय।।

2. तिनका **कबहु न निंदिए जो पायन तर** होय।
कबहू **उड़ि आँखिन परै, पीर घनेरी** होय।।

3. अति का भला **न बोलना, अति की भली न** चूप।
अति का **भला न बरसना, अति की भली न** धूप।।

4. दुःख में **सुमिरन सब करै, सुख में करै न** कोय।
जो सुख **में सुमिरन करै, दुःख काहे को** होय।।

ग. 1. मक्खी पहले तो गुड़ से लिपटी रहती है, अपने सारे पंख और मुँह गुड़ से चिपका लेती है, लेकिन उड़ने का प्रयास करती है, तो उड़ नहीं पाती तो वह हाथ मलती है और सिर धुनती है तब उसे ज्ञान होता है कि लालच बुरी बला है।

2. मनुष्य को हमेशा ऐसी वाणी बोलनी चाहिए जिससे सुनने वाले का गुस्सा शान्त हो जाए तथा वह शीतलता का अनुभव करे। ऐसा करने से न केवल सुनने वाले का बल्कि आपका मन भी शीतल होगा और आपको मन की शान्ति प्राप्त होगी।

घ. 1. संसार की रक्षा स्वयं भगवान करते हैं।

2. सदैव ऐसी वाणी बोलनी चाहिए, जिससे दूसरे के मन को जीता जा सके।

3. हमें कोई गाली दे और हम उलटकर उसे गालियाँ दें तो वे गालियाँ अनेक हो जाती हैं।

4. क्योंकि वक्त आने पर छोटी चीजें भी बड़े काम कर सकती हैं।

भाषा बोध

क. 1. होय **2.** जीव **3.** धूप **4.** एक
5. बलाय **6.** बोलना **7.** सुख **8.** जाय

ख. 1. पक्षपाती, विशेषण **2.** क्रोधी, विशेषण
3. अभिमानी, विशेषण

करके देखिए

स्वयं करें।

राजा शिवि

पाठ बोध

क. **1.** (a) **2.** (d) **3.** (c) **4.** (a)

ख. **1.** वह **कबूतर** फिर भी भय से काँप रहा था।

2. आपको मेरा **भोजन** नहीं लेना चाहिए।

3. मैं इस नाशवान **शरीर** की चिंता नहीं करता।

4. बाज तथा कबूतर के रूप में **इंद्र** तथा अग्नि देव थे।

5. देवराज इंद्र ने **शिवि** के शरीर को सुंदर बना दिया।

ग. **1.** (✓) **2.** (✗) **3.** (✓) **4.** (✗) **5.** (✓)

घ. **1.** राजा शिवि बड़े ही दयालु तथा धर्मात्मा स्वभाव के थे।

2. अचानक एक बाज से बचकर अपनी प्राण-रक्षा के लिए एक कबूतर राजा की शरण में आ गया।

3. राजन, यह कबूतर मेरा भोजन है, कृपया आप इसे मुझे दे दें।

4. कबूतर को बचाने के लिए राजा ने बाज को कबूतर के बराबर अपना मांस देने के लिए कहा।

5. जब तक आकाश में सूर्य, चंद्रमा तथा तारे चमकते रहेंगे, तब तक तुम्हारा नाम इस धरती पर अमर रहेगा।

भाषा बोध

क. **1.** प्यार **2.** दुलारा **3.** नाशवान **4.** शरीर

5. असली **6.** इम्तिहान **7.** संसार **8.** शुभकामना

9. आसमान **10.** स्वर्गलोक

ख. **1.** निर्दयी **2.** रंक **3.** दूर **4.** घृणा

5. अधर्म **6.** अन्याय **7.** अशांत **8.** मालिक

9. हल्का **10.** भक्षक

करके देखिए

1. शेर **2.** बाघ **3.** हाथी **4.** सियार

5. लोमड़ी **6.** चील **7.** गिद्ध **8.** बाज

Chapter 1

चिर महान

पाठ बोध

क. 1. (a) **2.** (b) **3.** (c)

ख. 1. जग जीवन में **चिर महान**,
सौंदर्यपूर्ण और सत्य प्राण।
मैं उसका प्रेमी **बनूँ नाथ**,
जो हो मानव के **हित समान**।

2. पाकर प्रभु तुमसे **अमर दान**,
करके मानव का परित्राण।
ला सकूँ विश्व में **एक बार**,
फिर से नवजीवन का विहान।

ग. 1. जगजीवन में सौंदर्यपूर्ण और सत्य प्राण महान है।

2. मानव का कल्याण करने के लिए कवि अमर दान माँग रहा है।

3. हमारे प्राण सौंदर्यपूर्ण और सत्य होने चाहिएँ।

4. कवि हर भेदभाव रूपी अंधकार से छुटकारा पाना चाहता है।

भाषा बोध

क. 1. विहान **2.** परित्राण **3.** भक्ति **4.** अंधकार
5. परित्राण **6.** दानव

ख. 1. जीवन **2.** मानव **3.** अखिल **4.** प्रसार
5. भेदभाव **6.** परित्राण

करके देखिए

1. मैं उसका प्रेमी बनना चाहता हूँ, जो मनुष्य का कल्याण करने वाले के समान हो।

2. हे प्रभु, मैं तुमसे अमर दान प्राप्त करके मानव की रक्षा कर सकूँ।

Chapter 2

अकबर और बीरबल

पाठ बोध

क. 1. (a) **2.** (d) **3.** (c) **4.** (b)

ख. **1.** भक्त पर विपत्ति आने पर **ईश्वर** स्वयं दौड़े चले आते हैं।
2. बीरबल ने कहा–यह काम **होशियारी** से करना है।
3. **लकड़ी का पुतला** जान-बूझकर तालाब में फेंका गया।
4. बादशाह वस्त्रों सहित तुरंत **तालाब** में कूद पड़े।
5. इसी प्रकार ईश्वर **भक्तों** के लिए दौड़े चले आते हैं।

ग. **1.** अकबर ने बीरबल से पूछा कि तुम्हारे ग्रन्थों में ऐसी कथाएँ होती हैं कि भक्त पर विपत्ति आने पर ईश्वर स्वयं दौड़े चले आते हैं। जब ईश्वर सर्वसमर्थ है तो यह काम सेवकों से क्यों नहीं कराता?
2. बीरबल ने बादशाह की बात का उत्तर देने के लिए पंद्रह दिन का समय माँगा।
3. बीरबल ने बादशाह के शहजादे की आयु का लकड़ी का एक पुतला बनवाया।
4. बीरबल ने दाई से कहा कि जब शाम को बादशाह बाग में सैर करने को आएँ तो इस लकड़ी के पुतले को शाही तालाब में फेंक देना।
5. पुतले को तालाब में गिरा हुआ देखकर बादशाह वस्त्रों सहित तुरंत तालाब में कूद पड़ा और लकड़ी के पुतले को उठा लिया।

घ. **1.** बीरबल ने **2.** बीरबल ने

भाषा बोध

क. **1.** ग्रन्थों में बहुत-सी धार्मिक कथाएँ होती हैं।
2. विपत्ति आने पर ईश्वर स्वयं दौड़े चले आते हैं।
3. बादशाह अकबर के प्रश्न का उत्तर देने के लिए बीरबल ने पंद्रह दिन का समय माँगा।
4. तालाब बहुत गहरा था।
5. परीक्षा में प्रश्न कठिन आए थे।

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter 3

आत्मनिर्भर

पाठ बोध

क. **1.** (a) **2.** (a) **3.** (c) **4.** (d)

ख. **1.** **धान** के खेत में एक चिड़िया का घोंसला था।
2. सुबह को चिड़िया बच्चों के लिए **भोजन** लाने के लिए चली जाती थी।
3. अब **फसल** की कटाई का समय आ गया है।

4. चिड़िया के बच्चों ने चिड़िया को सारा **वृत्तांत** सुनाया।
5. चिड़िया अपने बच्चों के साथ अपने नए **आशियाने** की ओर उड़ गई।

ग. **1.** (✓) **2.** (✗) **3.** (✗) **4.** (✓)

घ. **1.** घोंसले में चिड़िया अपने दो छोटे-छोटे बच्चों के साथ रहती थी।
2. चिड़िया के घोंसले से उड़ने के कुछ देर पश्चात् ही उस खेत का किसान और उसका पुत्र वहाँ आ पहुँचे।
3. चिड़िया ने अपने बच्चों से कहा– "घबराओ मत मेरे बच्चो, हमें कुछ नहीं होगा।"
4. हमें किसी भी प्रकार की सहायता नहीं मिल पा रही है, इसलिए हमें स्वयं ही फसल की कटाई करनी चाहिए। नहीं तो हमें नुकसान उठाना पड़ेगा।
5. उन्हें यह ज्ञात हो गया है कि अपना काम दूसरों पर नहीं छोड़ना चाहिए।

ङ. **1.** चिड़िया ने बच्चों से **2.** किसान ने पुत्र से
3. बच्चों ने चिड़िया से **4.** चिड़िया ने बच्चों से

भाषा बोध

क. **1.** हल्की-सी ध्वनि– शिकारी के पैरों की आहट सुनकर पक्षी उड़ गए।
2. पास– किसान और उसका पुत्र घोंसले के पास खड़े होकर बात करने लगे।
3. परेशानी– बिजली जाने पर परेशानी होती है।
4. घर– चिड़िया ने गुलमोहर के पेड़ पर अपना आशियाना बनाया।

ख. **1.** चिड़ियाँ **2.** घोंसले **3.** बच्चे **4.** पुत्रियाँ
5. फसलें **6.** कथाएँ

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter 4

तीन श्रेष्ठ बातें

पाठ बोध

क. **1.** (a) **2.** (b) **3.** (c) **4.** (d)

ख. **1.** **अधर्म** का नाश होता आया है।
2. लक्ष्मण ने तुरंत **अस्त्र** त्याग दिए।
3. रावण को अपनी बुद्धि तथा अपने बल का **घमंड** था।
4. **असत्य** की हार होती है।
5. मेरी दूसरी इच्छा यह थी कि अग्नि को **धुएँ** से अलग कर दूँ।

ग. **1.** (✓) **2.** (✗) **3.** (✓) **4.** (✗) **5.** (✓)

घ. **1.** रावण लंका का राजा था।

2. आज के काम को कल पर न छोड़ना, अपने शत्रु को कभी छोटा न समझना और अपनी शक्ति या विद्या को सदा परहित में लगाते रहना।

3. पृथ्वी और आकाशीय पिंडों के बीच आवागमन की सुविधाएँ। अग्नि को धुएँ से अलग कर दूँ। मृत्यु पर विजय प्राप्त करने की थी।

4. रावण ने बिगड़कर कहा, "तुम अस्त्र लेकर उपस्थित हुए हो, मेरे सिरहाने खड़े हो गए हो और तुममें नम्रता भी नहीं है। तुम मेरे शिष्य बनने के अधिकारी नहीं हो, तुम शत्रु बन सकते हो, शिष्य नहीं बन सकते।"

5. अपने शत्रु को छोटा और निर्बल समझा और अपनी शक्ति व विद्या को परहित में कभी नहीं लगाया।

भाषा बोध

क. **1.** व् + इ + द् + व् + आ + न् + अ

2. व् + इ + श् + व् + आ + स् + अ

3. ल् + अ + क् + ष् + म् + अ + ण् + अ

4. र् + अ + ण् + अ + क् + ष् + ए + त् + र् + अ

5. न् + अ + म् + र् + अ + त् + आ

6. प् + र् + अ + ण् + आ + म् + अ

ख. **1.** विद्वत्ता **2.** बल **3.** बुद्धिमानी **4.** अपराध

5. हँसी **6.** निकटता **7.** महानता **8.** उपस्थिति

9. थकावट **10.** शत्रुता

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter 5

चाँद का कुरता

पाठ बोध

क. **1.** (d) **2.** (c) **3.** (b)

ख. **1.** आसमान **का सफर** और,
यह **मौसम है** जाड़े का।
न **हो अगर तो** ला दो,
कुरता **ही कोई** भाड़े का।।

2. अब **तू ही तो** बता,
नाप **तेरा किसी रोज** लिवाएँ।
सी **दें एक** झिंगोला,
जो हर **रोज बदन में** आए।।

ग. 1. ✗ **2.** ✗ **3.** ✓ **4.** ✗

घ. 1. रात भर सन-सन हवा चलती है।

2. माँ इस बात से डरती है कि वह अपने पुत्र को एक नाप में कभी नहीं देखती है।

3. रामधारी सिंह दिनकर।

भाषा बोध

क. 1. बोला **2.** करती **3.** भाड़े **4.** छोटा

5. टोने **6.** आए

ख. 1. चाँद ने कुर्ता सिलवाने के लिए अपनी माँ को कहा।

2. मैंने सर्दी के लिए ऊन का स्वेटर बनवाया है।

3. हवा रात भर सन-सन चलती है।

4. हमें अपना काम कुशलता से करना चाहिए।

5. आसमान में अनेक चिड़ियाँ उड़ रही हैं।

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter **6**

रानी चेन्नम्मा

पाठ बोध

क. 1. (a) **2.** (d) **3.** (c) **4.** (a)

ख. 1. राजा ने **नरभक्षी** बाघ को मार दिया।

2. राजा समझ गए कि दूसरा बाण इस वीर **कन्या** का है।

3. रानी चेन्नम्मा किसी **बालक** को गोद लेना चाहती थी।

4. कित्तूर के वीरों ने **अंग्रेजी** सेना को तहस-नहस कर दिया।

5. कित्तूर दुर्ग का बाहरी मैदान वीरों की **लाशों** से पट गया।

ग. 1. (✓) **2.** (✓) **3.** (✗) **4.** (✓) **5.** (✗)

घ. 1. रानी चेन्नम्मा का जन्म कर्नाटक के धारवाड़ और बेलगाँव के बीच कित्तूर नामक छोटे से राज्य में 1778 ई० में हुआ था।

2. बाघ में लगा दूसरा तीर सैनिक वेशभूषा में सजी सुन्दर कन्या ने मारा था।

3. कित्तूर के राजा मल्लसर्ज के साथ विवाह होने के बाद चेनम्मा रानी बनी थी।

4. रानी ने हताश होकर घोषणा की– हे देशवासियो, कित्तूर हमारा है और हम इसकी रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति भी दे देंगे।

5. सन् 1824 के युद्ध में अंग्रेजों की विजय हुई।

भाषा बोध

क. 1. च् + ए + न् + न् + अ + म् + म् + आ

2. म् + अ + ल् + ल् + अ + स् + अ + र् + ज् + अ

3. श् + ई + व् + अ + ल् + इ + अं + ग् + अ

4. स् + व् + अ + त् + अं + त् + र् + अ + त् + आ

ख. 1. बड़ा–सा **2.** मृत्यु **3.** सामान्य **4.** कुरूप

5. कायर **6.** परतंत्रता

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter 7

ईमानदारी का फल

पाठ बोध

क. 1. (c) **2.** (a) **3.** (d) **4.** (c)

ख. 1. एक गाँव में एक **लकड़हारा** रहता था।

2. लकड़हारा उदास होकर **नदी** के किनारे बैठा था।

3. कुल्हाड़ी देखते ही **लकड़हारे** का चेहरा खिल गया।

4. गरीबी में भी तुम **ईमानदार** बने रहे।

5. इसके बाद जलपरी **अदृश्य** हो गई।

ग. 1. (✗) **2.** (✓) **3.** (✓) **4.** (✗) **5.** (✓)

घ. 1. लकड़हारा नदी किनारे एक पेड़ पर चढ़कर लकड़ी काट रहा था।

2. लकड़हारा कुल्हाड़ी नदी में गिरने के कारण उदास था।

3. मैं लकड़ी काट रहा था। मेरी कुल्हाड़ी नदी में गिर गई। मुझे गोता लगाना भी नहीं आता। वह मेरी कमाई का साधन थी।

4. जलपरी बोली– घबराओ नहीं, मैं तुम्हारी कुल्हाड़ी निकाल सकती हूँ। तुम यहीं बैठो। मैं अभी लाती हूँ।

भाषा बोध

क. 1. शहर **2.** अच्छा **3.** बेईमानी **4.** अमीरी

5. उठना **6.** बेचना

ख. 1. लकड़हारा बहुत परिश्रमी और ईमानदार था।

2. लकड़हारा लकड़ियाँ बेचकर अपनी जीविका चलाता था।

3. लकड़हारा उदास होकर नदी के किनारे बैठ गया।

4. जलपरी ने लकड़हारे की कुल्हाड़ी नदी से निकाल दी।

ग. 1. गहने **2.** हथौड़ा **3.** रेलगाड़ी **4.** शीशा

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter 8

दो बैलों की कथा

पाठ बोध

क. 1. (a) **2.** (b) **3.** (d) **4.** (d)

ख. 1. झूरी उनके **चारे** का खूब ध्यान रखता था।

2. झूरी की पत्नी उन्हें देखकर **जल-भुन** गई।

3. रास्ते में उन्हें एक **सांड** मिला।

4. काँजीहौस वालों ने दोनों बैलों को **नीलाम** कर दिया।

5. व्यापारी अपनी जान बचाकर वहाँ से **भागा**।

ग. 1. झूरी के दोनों बैलों के नाम हीरा और मोती थे।

2. गया झूरी की पत्नी का भाई था। रास्ते में उन्होंने उसे बहुत तंग किया। इसलिए उसने बैलों को रूखा-सूखा भूसा दिया।

3. वह उन्हें दिनभर हल में जोतता, शाम को घर लाकर मोटे-मोटे रस्सों से बाँधकर उनके सामने रूखा-सूखा भूसा डाल देता। इससे परेशान होकर दोनों गया के घर से भाग गए।

4. लड़की से बैलों की दशा देखी नहीं गई। इसलिए उसने दोनों बैलों को खोल दिया।

5. हीरा-मोती गया के घर से भाग आए थे। फिर वे काँजीहौस में बंद कर दिए गए। वहाँ उन्हें एक व्यापारी ने खरीद लिया और वे व्यापारी के हाथ से छूटकर अपने घर भाग आए।

घ. 1. झूरी की पत्नी का भाई गया दोनों बैलों को अपने घर ले गया।

2. दूसरी बार गया बैलों को गाड़ी में जोतकर ले गया।

3. दोनों बैल रात में रस्सी तोड़कर भाग गए।

4. छोटी लड़की ने दोनों बैलों को खोल दिया।

5. रखवालों ने उन दोनों को काँजीहौस में बंद करा दिया।

6. मोती ने गधों को भी सींग मारकर भगा दिया।

7. व्यापारी ने दोनों बैलों को खरीद लिया।

8. झूरी की पत्नी ने दोनों बैलों के माथे चूम लिए।

भाषा बोध

क. 1. रवि जरा-सी बात पर जल भुन जाता है।

2. दुकान का ताला टूटा हुआ देखकर लालाजी के होश उड़ गए।
3. चोर चलती गाड़ी से जान बचाकर भाग गया।
4. अमन ने आव देखा न ताव और अपने पड़ोसी की पिटाई कर दी।
5. परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर दादाजी ने अमन का माथा चूमा।

ख. 1. पशु भी प्यार का भूखा **होता है**।
2. घर पहुँचकर उसने उसके सामने रूखा-सूखा भूसा **डाल दिया**।
3. वह उन्हें दिन भर हल में **जोतता था**।
4. मोती कुछ दूर उसके पीछे **दौड़ा** पर हीरा ने उसे दूर तक न जाने **दिया**।
5. मार खाते-खाते और भूख सहते-सहते वे दोनों बहुत कमजोर **हो गए**।

ग. 1. मोती, हीरा 2. गया ने 3. उसने 4. हीरा ने
5. व्यापारी ने

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter 9

पक्षी जगत

पाठ बोध

क. 1. (c) 2. (a) 3. (b) 4. (d)

ख. 1. इनका भी अपना एक **संसार** होता है।
2. पक्षी भी अपना **समुदाय** बनाकर रहते हैं।
3. **भारत** में अनेक प्रकार के पक्षी पाए जाते हैं।
4. पक्षी अपना **मार्ग** नहीं भूलते हैं।
5. हमारा राष्ट्रीय पक्षी **मोर** है।

ग. 1. (✓) 2. (✓) 3. (✗) 4. (✗) 5. (✗)

घ. 1. वर्षा ऋतु में जब आकाश काले बादलों से घिरता है तब मोर प्रसन्नता से नाचता है। यह बहुत सुन्दर लगता है।
2. चमगादड़ तथा उल्लू दोनों ही पक्षी भोजन की तलाश रात में करते हैं।
3. मानव की तरह पक्षी भी अपना समुदाय बनाकर रहते हैं।
4. इन्हें, नभचर, विहग, पाखी, गगनचर, पतंग आदि नामों से जाना जाता है।
5. अफ्रीका के देशों में सफेद मोर पाया जाता है।

भाषा बोध

क. 1. कूकड़ू-कूँ 2. टें-टें 3. काँव-काँव 4. क्वेक-क्वेक
5. गुँटरू-गूँ 6. कू-कू

ख. 1. मोर का रंग–रूप बड़ा ही मनोहर होता है।
2. कबूतर संदेशवाहक पक्षी है।
3. पक्षी भी अपना समुदाय बनाकर रहते हैं।
4. पशु–पक्षी स्वतंत्र रूप से विचरण करते हैं।

ग. 1. पक्षी भी अपना समुदाय बनाकर रहते हैं।
2. चिड़ियों का चहचहाना कितना अच्छा लगता है।
3. जिधर भी चाहा उधर ही उड़ गए।
4. कोयल का स्वर मीठा होता है।

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter **10**

झाँसी की रानी की समाधि पर

पाठ बोध

क. 1. (a) **2.** (b) **3.** (c) **4.** (d)

ख. 1. आहुति–सी गिर पड़ी चिता पर, चमक उठी ज्वाला–सी।
2. स्नेह और श्रद्धा से गाती, है वीरों की बानी।
3. जलकर उसने स्वतंत्रता की दिव्य आरती फेरी।
4. उसके फूल यहीं संचित हैं, है यह स्मृतिशाला–सी।

ग. 1. एक राख की ढेरी छिपी हुई है।
2. कवयित्री ने रानी लक्ष्मीबाई की समाधि को स्मृति–शाला बताया है।
3. जब वह युद्ध क्षेत्र में बलिदान देता है।
4. कवियों की अमर वाणी में रानी लक्ष्मीबाई की कहानी होती है।
5. कविता की रचयिता सुभद्राकुमारी चौहान हैं।

घ. 1. उन्होंने शत्रुओं के वार पर वार सहती हुई
वह एक वीरांगना के समान लड़ी
यज्ञ में अपने प्राणों की आहुति देकर चिता पर चढ़ गई
और ज्वाला के समान चमक उठी।

2. यह झाँसी की रानी की समाधि है
यह उनके अंतिम युद्ध की वीरता
मर्दों के समान लड़ने वाली
रानी लक्ष्मीबाई की समाधि है।

भाषा बोध

क. 1. फेरी **2.** शाला **3.** ज्वाला **4.** सोने
5. चिंगारी **6.** जाते

ख. 1. गांधी जी की समाधि राजघाट पर है।
2. भारत ने 1947 में स्वतंत्रता प्राप्त की।
3. दिल्ली को लघु भारत भी कहते हैं।

ग. 1. परतंत्रता **2.** दीर्घ **3.** प्रथम **4.** पराजय
5. विस्मृति **6.** कायर

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter **11**

मूर्ख किसान

पाठ बोध

क. 1. (a) **2.** (d) **3.** (c)

ख. 1. नाना एक **मूर्ख** किसान था।
2. नाना लकड़ी काटने में पूर्णरूप से **अज्ञानी** था।
3. नाना ने समझा कि परदेशी एक अच्छा **ज्योतिषी** है।
4. नाना ने दोनों हाथों से गधे की **नाक** बंद कर दी।

ग. 1. (✓) **2.** (✗) **3.** (✗) **4.** (✓)

घ. 1. नाना एक मूर्ख किसान था, उसे कुछ लकड़ियों की आवश्यकता थी। इसलिए वह जंगल की तरफ भाग गया था।
2. परदेशी ने पूछा– क्या तुमने पहले कभी लकड़ी काटी है?
3. क्योंकि उसकी भविष्यवाणी शत-प्रतिशत ठीक निकली थी।
4. तुम तभी मरोगे जब तुम्हारा गधा तीन बार छींकेगा।
5. अबकी बार नाना ने दो छोटे गोल पत्थर जमीन से उठाकर गधे के नथुनों में ठूँस दिए।

भाषा बोध

1. शाखाएँ **2.** कुल्हाड़ियाँ **3.** लकड़ियाँ **4.** टोपियाँ

करके देखिए

स्वयं करें।

बचत

पाठ बोध

क. **1.** (a) **2.** (b) **3.** (c) **4.** (d)

ख. **1.** कनक अपने माता-पिता के साथ **केरल** के एक **गाँव** में रहती थी।

2. कनक ने अपनी सहेली नम्रता के पास एक **साइकिल** देखी।

3. कनक ने **दूध** निकालने का काम शुरू कर दिया।

4. कनक के **चाचा** की तबीयत अचानक खराब हो गई थी।

5. कनक ने तो हमें **बचत** करने की शिक्षा दी है।

ग. **1.** कनक के पिता एक निजी कंपनी में लिपिक थे।

2. एक दिन कनक ने अपनी सहेली नम्रता के पास नई साइकिल देखी। फिर उसने साइकिल खरीदने के लिए बचत करनी शुरू कर दी।

3. रुपयों की बचत करने के लिए कनक के पिता ने किशन को काम से हटा दिया।

4. कनक के पापा ने साइकिल दिलवाई।

घ. **1.** कनक ने मम्मी से **2.** कनक ने पापा से

3. कनक ने पापा से **4.** पापा ने मम्मी से

5. मम्मी ने पापा से

भाषा बोध

क. **1.** प्यारा **2.** आवश्यक **3.** नम्रतापूर्वक **4.** अच्छा

ख. **1.** कनक, लड़की **2.** साइकिल

3. किशन, चाचा, पेड़ **4.** गाय, दूध

ग. **1.** कनक के पापा ने घर के पास रबड़ के कुछ पेड़ लगाए हुए थे।

2. मेरी बेटी खाना बना रही है।

3. मेरे घर में साइकिल खरीदने जितने रुपये नहीं हैं।

4. कनक ने पिताजी को बचत करना सिखाया।

करके देखिए

स्वयं करें

Chapter 13

राखी का त्योहार

पाठ बोध

क. **1.** (a) **2.** (d) **3.** (c) **4.** (a)

ख. **1.** अपने पत्र में तुमने **मसूरी** की सैर के बारे में लिखा था।
2. बहनें अपने भाइयों की **लंबी** आयु की प्रार्थना करती हैं।
3. इंद्र की पत्नी **शची** ने देवताओं की कलाई पर रक्षा का सूत्र बाँधा।
4. राखी वाले दिन मैंने सुबह नहा-धोकर **नए** कपड़े पहने।
5. यह पत्र **लक्की** ने अपनी सखी को लिखा है।

ग. **1.** (✗) **2.** (✗) **3.** (✓) **4.** (✓) **5.** (✗)

घ. **1.** यह पत्र लक्की ने शिवि के लिए लिखा।
2. हर वर्ष श्रावण मास की पूर्णिमा को रक्षाबंधन का त्योहार मनाया जाता है।
3. जब देवताओं और राक्षसों में युद्ध हुआ तब इंद्र की पत्नी शची ने देवताओं की कलाई पर रक्षा सूत्र बाँधा था। तभी से रक्षाबन्धन का त्योहार मनाया जाता है।
4. रक्षाबन्धन पर बहनें अपने भाई की कलाई पर राखी बाँधती हैं और भाई की आरती उतारती हैं।

भाषा बोध

क. **1.** रक्षा के लिए बंधन **2.** श्रावण का मास
3. भाई और बहन **4.** सितारों से जड़ी

ख. **1.** बहनें **2.** कलाइयाँ **3.** राखियाँ **4.** प्रार्थनाएँ
5. पत्नियाँ **6.** कपड़े **7.** सितारे **8.** मिठाइयाँ

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter 14

जेम्स वॉट

पाठ बोध

क. **1.** (a) **2.** (a) **3.** (d) **4.** (c)

ख. **1.** जेम्स वॉट **साधारण** बालक था।
2. चूल्हे पर **चाय** का पानी केतली में रखा था।
3. वह हमेशा **आलतू-फालतू** कुछ-न-कुछ सोचता रहता था।
4. यह देख जेम्स अपनी ख्वाबों की **दुनिया** में डूबने लगा।
5. यह गाड़ी खींचने वाला **इंजन** नहीं था।

ग. 1. (✓) **2.** (✓) **3.** (✗) **4.** (✗) **5.** (✓)

घ. 1. जेम्स वॉट एक गरीब एवं साधारण बालक था।

2. उसे केतली के ढक्कन की खन-खन की आवाज सुनाई दी।

3. चूल्हे के पास बैठकर जेम्स ध्यान से केतली को देखने लगा।

4. जेम्स की चाची ने कहा– कुछ पढ़ता-लिखता तो है नहीं, इस केतली को ऐसे देख रहा है मानों कितना बड़ा रहस्य छिपा हो।

5. गाड़ी खींचने वाले इंजन का आविष्कार रिचर्ड ट्रेविथिक ने किया।

भाषा बोध

क. 1. जेम्स ने भाप के रहस्य को पहचाना।

2. बड़े होकर जेम्स ने भाप का इंजन बनाया।

3. भाप में शक्ति होती है।

4. गाड़ी खींचने वाला इंजन कोयले से चलता था।

ख. 1. रात **2.** बैठना **3.** असाधारण **4.** नीचे

5. पराये **6.** अमीर

ग. 1. हमेशा **2.** दुनिया **3.** जेम्स **4.** आविष्कार

5. पश्चात् **6.** आश्चर्य

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter **15**

सीखो

पाठ बोध

क. 1. (d) **2.** (a) **3.** (a)

ख. 1. सूरज की किरणों **से सीखो**,
जगना और जगाना।
लता और पेड़ों से सीखो,
सबको **गले लगाना**।

2. जलधारा से **सीखो आगे**,
जीवन **पथ में** बढ़ना।
और धुएँ से सीखो हरदम,
ऊँचे **ही पर** चढ़ना।

ग. 1. (iv) **2.** (iii) **3.** (ii) **4.** (i)

घ. 1. फूल हमें प्रतिदिन हँसते रहना सिखाते हैं।

2. किसी के सामने प्रणाम करने को, उसका सम्मान करने को शीश झुकाना कहते हैं।

3. बुरी बातों को अपने से दूर करना।

4. बिना लालच के सेवा करना सच्ची सेवा कहलाती है।

भाषा बोध

क. **1.** पृथ्वी **2.** सबकी **3.** दीपक **4.** सच्ची
5. शीश **6.** सखी

ख. **1.** नदियाँ **2.** भौंरे **3.** डालियाँ **4.** लताएँ
5. झोंके **6.** किरणें

ग. **1.** भानु, रवि **2.** मार्ग, रास्ता **3.** पानी, नीर **4.** द्रुम, तरू
5. माथा, सिर **6.** पुष्प, कुसुम **7.** जीव, जंतु **8.** भूमि, अचला

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter **16**

रेगिस्तान का जहाज–ऊँट

पाठ बोध

क. **1.** (a) **2.** (b) **3.** (a)

ख. **1.** ऊँट का शरीर बहुत **विशाल** होता है।

2. ऊँट की पीठ पर एक **कूबड़** होता है।

3. ऊँट **रेगिस्तानी** क्षेत्रों में पाया जाता है।

4. ऊँट में एक **विशेष** गुण भी होता है।

5. ऊँट **रेत** पर तेजी से चल सकता है।

ग. **1.** (✗) **2.** (✗) **3.** (✓) **4.** (✓)

घ. **1.** ऊँट रेतीले इलाकों में भारी–से भारी वजन को आसानी से खींच सकता है। यह रेत पर तेज़ी से चल भी सकता है और दौड़ भी सकता है। इन्हीं कारणों से इसे रेगिस्तान का जहाज कहते हैं।

2. रेगिस्तान में ऊँटों का प्रयोग गाड़ियाँ खींचने, खेतों में हल चलाने तथा कुओं से पानी खींचने आदि में किया जाता हैं।

3. भारतवर्ष में ऊँट विशेष रूप से राजस्थान में पाया जाता है।

4. ऊँट की ऊँचाई लगभग नौ–दस फुट तक होती है।

5. मेलों में प्रायः ऊँटों का क्रय–विक्रय किया जाता है।

भाषा बोध

क. 1. सरलता + पूर्वक = सरलतापूर्वक

2. सफलता + पूर्वक = सफलतापूर्वक

3. बल + पूर्वक = बलपूर्वक

4. शक्ति + पूर्वक = शक्तिपूर्वक

ख. 1. ऊँट का शरीर बहुत बड़ा होता है।

2. ऊँट की टाँगें पतली होती हैं।

3. ऊँट को रेगिस्तान का जहाज कहते हैं।

4. ऊँट के दाँत बहुत लंबे और तेज होते हैं।

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter **17**

एक झोंपड़ी का मूल्य

पाठ बोध

क. 1. (a) **2.** (b) **3.** (d) **4.** (b) **5.** (a)

ख. 1. महल में **सुख-सुविधाओं** का कोई अभाव न था।

2. एक दिन रानी ने **वरुणा** नदी में स्नान करने का निश्चय किया।

3. रानी अपनी **सखियों** के साथ घाट पर पहुँची।

4. आग की लपटें **आसमान** छूने लगीं।

ग. 1. (✓) **2.** (✗) **3.** (✓) **4.** (✗)

घ. 1. क्योंकि उनके चारों ओर सुख ही सुख था।

2. राजा ने आदेश दिया कि रानी को भिखारी के भेष में एक वर्ष में गरीब लोगों की झोंपड़ी बनवानी होगी।

3. अपनी प्रजा की बातें सुनकर राजा का सिर लज्जा से झुक गया।

4. रानी द्वारा गरीबों की झोंपड़ियों में आग लगवा देने की बात सुनकर राजा का सिर लज्जा से झुक गया।

5. रानी को वरुणा नदी में स्नान करने जाना था। इसलिए नदी की ओर जाने वाले सभी रास्ते रोक दिए गए।

6. ठंडे पानी में स्नान करने के कारण रानी बुरी तरह ठिठुरने लगी और थर-थर काँपने लगी। इसलिए रानी ने तापने के लिए झोंपड़ी में आग लगाने को कहा।

भाषा बोध

क. 1. बहुवचन **2.** एकवचन **3.** एकवचन **4.** बहुवचन
5. बहुवचन **6.** एकवचन

ख. 1. ठंडा **2.** गरीब **3.** सुंदर **4.** कड़कड़ाती
5. कठिन

ग. 1. अथाह **2.** निर्जन **3.** निर्दोष **4.** राजदरबार

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter 18

ईश्वरचंद्र विद्यासागर

पाठ बोध

क. 1. (d) **2.** (a) **3.** (a)

ख. 1. ✗ **2.** ✓ **3.** ✓ **4.** ✓

ग. 1. ईश्वरचंद्र विद्यासागर की माता उदार विचारों वाली महिला थीं।

2. बालक ईश्वरचंद्र विद्यासागर को पाँच वर्ष की अवस्था में पाठशाला में दाखिला दिलाया गया।

3. ईश्वरचंद्र ने एक ही दिन में बंगला भाषा के वर्णों को सीख लिया।

4. ईश्वरचंद्र विद्यासागर को संस्कृत कॉलेज का प्राचार्य नियुक्त किया गया।

5. ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने बालिकाओं की स्कूल ले जाने वाली गाड़ी पर "पुत्रों के समान पुत्रियों को भी शिक्षा पाने का पूरा अधिकार है।" लिखवाया।

भाषा बोध

क. 1. कर्महीन **2.** पुत्रहीन **3.** भाग्यहीन **4.** धनहीन
5. सुरहीन **6.** बलहीन

ख. 1. उनकी **2.** वे **3.** आपका
4. उन्होंने, उसे, अपने **5.** स्वयं, उनके

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter 1

आ रही रवि की सवारी

पाठ बोध

क. **1.** (a) **2.** (c) **3.** (d) **4.** (b)

ख. **1.** नव किरण **का रथ** सजा है,
कलि **कुसुम से** पथ सजा है।
बादलों **से अनुचरों** ने,
स्वर्ण की पोशाक धारी।

2. चाहता **उछलूँ विजय कह**,
पर **ठिठकता देखकर** यह–
रात का **राजा खड़ा है।**,
राह में बनकर भिखारी।

ग. **1.** सूर्योदय के समय सूर्य नई किरणों से सजे रथ पर सवार है और फूल की कलियों से रास्ते सजे हुए हैं।

2. रात में अपनी छटा बिखेरने वाला चन्द्रमा सूर्य की तीक्ष्णता के आगे विवश है, मानो भिखारी बन गया हो और सूर्य के अस्त होने की प्रतीक्षा कर रहा हो।

घ. **1.** रवि अर्थात् सूर्य की सवारी आ रही है।

2. फूलों की कलियों से पूरा रास्ता सजाकर सूर्य का स्वागत किया जाता है।

3. पक्षी, प्रशंसक, भाट कीर्ति गायन कर रहे हैं।

4. सूर्य के उदय होते ही उसकी किरणों को देखकर तारों की फौज मैदान छोड़कर भाग जाती है।

5. रात का राजा–चन्द्रमा को कहा गया है।

भाषा बोध

क. **1.** (iii) **2.** (iv) **3.** (i) **4.** (ii)

ख. **1.** क् + इ + र् + अ + ण् + अ **2.** स् + व् + अ + र् + ण् + अ

3. अ + न् + उ + च् + अ + र् + अ **4.** त् + आ + र् + अ + क् + ओ + अं

5. स् + अ + व् + आ + र् + ई

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter 2

जंगल का तोता

पाठ बोध

क. **1.** (a) **2.** (b) **3.** (d) **4.** (c)

ख. **1.** पंडित जी ने एक **तोता** पाल रखा था।

2. तुम्हारी आँखें **अंधी** हो गई हैं।
3. पिंजरे का तोता इतनी सारी बातें सुनकर **भौंचक्का** रह गया।
4. उसके **कैदखाने** का दरवाज़ा खुला था।
5. इसने तो एक **कैदी** को छुड़ाया है।

ग. 1. पंडित जी काशी नगरी में रहते थे। उन्होंने एक तोता पाल रखा था।
2. मेरा मकान मजबूत है, मैं यहाँ पूर्णतया सुरक्षित हूँ।
3. पिंजरे का तोता गुलाम है और जंगल का तोता कहीं भी जा सकता है क्योंकि वह आजाद है।
4. तुम्हारा घर तुम्हारे द्वारा बनाया हुआ नहीं है। इससे बड़ा दुर्भाग्य तो यह है कि तुमने कभी खुले आसमान में पंख नहीं फैलाए, न ही कभी खुली हवा में साँस ली है, क्योंकि तुम गुलाम हो।
5. तोते ने पंडित जी के बेटे की किसी बात का जवाब नहीं दिया तो उसने गुस्से में पिंजरे को जमीन पर पटक दिया।

घ. 1. जंगली तोते ने पिंजरे के तोते से 2. पिंजरे के तोते ने जंगली तोते से
3. पंडित के बेटे ने जंगली तोते से 4. मरे तोते की आत्मा ने पंडित के बेटे से
5. जंगली तोते ने अपने आप से

भाषा बोध

क. 1. सुरक्षित 2. पिंजरा 3. भौंचक्का 4. दुर्भाग्य
5. आत्मा 6. अधिकार

ख. 1. जीवित 2. पालतू 3. नवीन 4. मरना
5. अपवित्र 6. दुर्भाग्य 7. असुरक्षित 8. गुलाम

ग. 1. ज् + अं + ग् + अ + ल् + ई
2. प् + अं + ड् + इ + त् + अ
3. क् + ऐ + द् + अ + ख् + आ + न् + आ
4. स् + व् + अ + भ् + आ + व् + अ
5. प् + ऊ + र् + ण् + अ + त् + अ + य् + आ

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter 3

लालची काजी

पाठ बोध

क. 1. (a) 2. (b) 3. (d) 4. (b)

ख. **1.** एक दिन लकड़हारे को बहुत तेज **बुखार** हो गया।
2. रामसिंह हमेशा ही गरीब लकड़हारे को **परेशान** करना चाहता था।
3. लकड़हारे ने **पहिया** सही करने की पूरी कोशिश की।
4. लकड़हारा अपनी जेब में रखे **पत्थरों** को बार-बार हिलाने लगा।
5. काजी ने कहा कि दोनों ही केसों में लकड़हारे की कोई **गलती** नहीं है।

ग. **1.** (✓) **2.** (✓) **3.** (✓) **4.** (✗) **5.** (✓)

घ. **1.** लकड़हारा पूरे दिन कड़ी मेहनत करके लकड़ियाँ एकत्र किया करता था।
2. जब काजी ने उसे बार-बार जेब में हाथ देते हुए देखा तो उसने सोचा कि जरूर इसकी जेब में सोने के सिक्के हैं।
3. तुम मेरी गाड़ी शाम तक के लिए ले जा सकते हो, लेकिन इसमें कोई भी टूट-फूट नहीं होनी चाहिए।
4. रास्ते में उसका पैर पुल से फिसल गया और वह नीचे गिर गया।
5. लकड़हारे ने जेब में पत्थर इसलिए रखे कि यदि काजी मेरे खिलाफ फैसला सुनाएगा तो मैं अदालत में ही उसके सिर पर पत्थर मार दूँगा, जिससे उसे अपनी करनी का फल मिल जाएगा।

भाषा बोध

क. **1.** रोहन कड़ी मेहनत से लकड़ियाँ एकत्र करता था।
2. रामसिंह लकड़हारे को परेशान करता था।
3. लकड़हारे ने सारी आपबीती रामसिंह को सुनाई।
4. लकड़हारे पत्थर उठाकर जेब में रख लिए।
5. उसने प्रण किया कि वह आगे ऐसा कभी नहीं करेगा।

ख. **1.** <u>लकड़हारे ने</u> रामसिंह से बैलगाड़ी माँगी।
<u>गरीब लकड़हारे</u> ने उसे समझाया।
<u>लकड़हारे ने</u> जेब में पत्थर रख लिया।
<u>लकड़हारे ने</u> पहिया सही करने की पूरी कोशिश की।
2. काजी को पैसे दिए।
लकड़हारे ने <u>एक गधा</u> खरीदा।
लकड़हारे ने <u>आपबीती</u> सुनाई।
रामसिंह <u>लकड़हारे को</u> देखकर कुटिलता भरी हँसी हँसा।

करके देखिए

स्वयं करें।

साँप और कौआ

पाठ बोध

क. 1. (a) **2.** (b) **3.** (c) **4.** (d)

ख. 1. काले साँप ने कौए के बच्चों को **मारकर** खा लिया।

2. काला साँप **पेड़** पर चढ़ गया।

3. सबने मिलकर साँप पर **हमला** करना चाहा।

4. काले साँप के **पड़ोस** में रहना ठीक नहीं।

5. कौए ने लोमड़ी की बताई **तरकीब** मान ली।

ग. 1. (✗) **2.** (✓) **3.** (() **4.** (✓) **5.** (✗)

घ. 1. काला साँप उसी पेड़ के नीचे रहने लगा, जहाँ कौआ और कौवी ने अपना घोंसला बनाया हुआ था।

2. साँप ने उनके बच्चों को मारकर खा लिया। इसलिए कौआ और कौवी रोने लगे।

3. हमारी मदद करो मौसी, इस साँप से हमें बचाओ, नहीं तो हमें अपना पुराना घर छोड़ना पड़ेगा।

4. लोमड़ी ने उन्हें बताया कि कल जब राजकुमारियाँ नदी पर नहाने आएँ तो कौवी उनका कोई जेवर लाकर साँप के बिल में गिराकर उड़ जाएगी फिर देखना क्या होता है।

5. कौवी को माला उठाते देख सैनिकों ने शोर मचाया और वे कौए के पीछे भागे।

6. सैनिकों ने साँप को घेर लिया और लाठी से पीट-पीटकर मार डाला।

भाषा बोध

क. 1. पुल्लिंग **2.** स्त्रीलिंग **3.** पुल्लिंग **4.** पुल्लिंग

5. स्त्रीलिंग **6.** स्त्रीलिंग

ख. 1. कौए **2.** घोंसले **3.** बच्चे **4.** अंडे

5. चिड़ियाँ **6.** दाने

ग. 1. कौवी, अंडे **2.** जानवरों, चिड़ियों

3. पेड़, घोंसला **4.** लोमड़ी, मौसी

5. तरकीब

करके देखिए।

स्वयं करें।

Chapter 5

रिमझिम-रिमझिम

पाठ बोध

क. 1. (c) **2.** (a) **3.** (c)

ख. 1. कोयल कूके **डाली-डाली**
नयन तृप्त करे हरियाली।
मोरों ने झट पंख फैलाए,
नाच-कूदकर मन बहलाए।

2. कलियों **ने भी आँखें खोलीं**
मधुपों से मुसकाकर बोलीं।
कुदरत **से तुम कर लो प्यार**,
प्रेम ही है जीवन का सार।

ग. 1. (ii) **2.** (iv) **3.** (v) **4.** (iii) **5.** (i)

घ. 1. वर्षा ऋतु देखकर सभी प्राणी खुशी से उछल-कूद करते हैं।
2. कोयल डाली-डाली पर कूकती है।
3. चिड़ियाँ सावन के आने का संदेशा लाती हैं।
4. हमें प्रकृति से प्रेम करना चाहिए; यही जीवन का सार है।

भाषा बोध

क. 1. लाए, फैलाए **2.** हरते, रहते **3.** खोले, होले **4.** बोली, रोली
5. प्यार, पार

ख. 1. बच्चों ने पिचकारी खरीदी।
2. अमृत पीकर व्यक्ति अमर हो जाता है।
3. वसंत ऋतु को ऋतुराज भी कहते हैं।
4. कल बहुत तेज वर्षा हुई।
5. पेड़ों पर कोयल कूक रही है।

ग. स्वयं करें।

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter 6

भामाशाह का त्याग

पाठ बोध

क. 1. (b) **2.** (c) **3.** (a) **4.** (d)

ख. 1. महाराणा प्रताप को बड़ी **निराशा** हो रही थी।
2. महाराज! यह सब **धन** आपका ही है।

3. चित्तौड़ पर अकबर की सेना ने **अधिकार** कर लिया था।
4. महाराणा के पास **फूटी-कौड़ी** तक नहीं थी।
5. लोग प्रताप को देश का **उद्धारक** कहते हैं।

ग. 1. महाराणा प्रताप अपने परिवार के साथ अरावली पर्वत के वनों में भटकते फिर रहे थे।
2. महाराणा को चिंता थी कि शत्रुओं से देश की पवित्र भूमि का उद्धार कैसे किया जाए?
3. सोने के पलंग पर सोने वाले महाराणा प्रताप व उनके बच्चे जमीन पर सोते थे और घास की रोटियाँ खाते थे।
4. "महाराज! यह सब धन आपका ही है। मैंने और मेरे पूर्वजों ने राजदरबार की कृपा से ही इसे इकट्ठा किया है। आप कृपा करके इसे स्वीकार कर लीजिए और इससे देश का उद्धार कीजिए।"
5. महाराणा बोले– "लोग प्रताप को देश का उद्धारक बोलते हैं, लेकिन इस पावन भूमि का उद्धार तो तुम्हारे जैसे उदार पुरुषों से होगा।"

भाषा बोध

क. 1. अस्वीकार 2. हार 3. हानि 4. प्रारंभ
5. मित्र 6. कायर

ख. 1. चितौड़ राजस्थान में है।
2. भारतीय सेना बहुत बहादुर है।
3. अकबर ने चित्तौड़ पर अधिकार कर लिया।
4. राजपूत सैनिक अपने देश के लिए मर मिटने को तैयार थे।

ग. 1. **वर्ण** भाषा की सबसे छोटी इकाई है।
2. जिस संज्ञा शब्द से पुरुष होने का बोध हो, उसे **पुल्लिंग** कहते हैं।
3. जिस संज्ञा शब्द से किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान आदि की पूरी जाति का ज्ञान हो, उसे **जातिवाचक संज्ञा** कहते हैं।
4. वर्णों के सार्थक मेल से **शब्द** बनते हैं।

घ. 1. चिंता → चिंतित (परेशान) एकत्रित (इकट्ठा किया हुआ)
उद्धार → उद्धारक (मुक्ति देने वाला) सुरक्षित (बिना खतरे के)
निश्चिंता → निश्चिंत (चिंतारहित) गर्वित (गर्व का क्षण)

2. वीर + ता = वीरता धैर्य + वान = धैर्यवान
नम्र + ता = नम्रता प्रकाश + वान = प्रकाशवान
पवित्र + ता = पवित्रता धन + वान = धनवान

ङ. **1.** बच्चे, भूखे **2.** भूमि, पवित्र **3.** सैनिक, वीर
4. भामाशाह, त्यागी **5.** ढेर, बड़ा

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter 7

जय जवान, जय किसान

पाठ बोध

क. **1.** (b) **2.** (a) **3.** (d) **4.** (a)

ख. **1.** मैं इस **धरती** का राजा हूँ।
2. तुम्हारा मन दुःखाने का मेरा **विचार** नहीं है।
3. तुम दो दिन मेरा काम कर लो तो सारी **हेकड़ी** भूल जाओगे।
4. मेरी तो जान भी हर समय **खतरे** में रहती है।
5. तुम्हारे **साहस** की भी कोई बराबरी नहीं कर सकता।

ग. **1.** (iv) **2.** (v) **3.** (ii) **4.** (iii) **5.** (i)

घ. **1.** (किसान से) कौन हो तुम? ऐसे अकड़ते हुए चले आ रहे हो जैसे तुम्हीं इस धरती के राजा हो।
2. किसान गर्व से सीना तानकर कहता है– हाँ, मैं इस धरती का राजा हूँ। मेरे उपजाए हुए अन्न की बनी हुई रोटी तो मजे में खा लेते होगे, पर मुझे नहीं जानते।
3. सैनिक गर्व से कहता है– क्या तुम मुझे नहीं जानते हो? मैं सैनिक हूँ, मैं देश की रक्षा के लिए हमेशा तैयार रहता हूँ। मैं कभी नहीं डरता। हर समय जान हथेली पर रखता हूँ। जब तुम नरम–नरम बिस्तर पर आराम से लेटे होते हो तब मैं बर्फीले पहाड़ों पर बीहड़ वनों में रातोंरात जागकर देश की रक्षा करता हूँ।
4. ज्येष्ठ के महीने मे चिलचिलाती धूप में, जब चोटी का पसीना एड़ी तक आता है, तब मैं खेत में जी तोड़ मेहनत करता हूँ। हाड़ कँपा देने वाली कड़कड़ाती ठंड में रातों को जागकर खेतों की रखवाली करता हूँ। तब कहीं फसलें पैदा होती हैं।
5. सैनिक कहता है– किसान भाई, तुम्हारे परिश्रम की तो कोई बराबरी नहीं कर सकता। तुम मेहनत न करो तो यह दुनिया सचमुच भूखों मर जाएगी।

भाषा बोध

क. **1.** अधभूखा **2.** अधपका **3.** अधनंगा **4.** अधखुला

5. अधखिला **6.** अधभरा

ख. 1. सारी अकड़ निकल जाना– यदि मुझसे टक्कर ली तो सारी हेकड़ी भूल जाओगे।

2. घबरा जाना– गणित पढ़ते हुए बड़े-बड़े को नानी याद आ जाती है।

3. मृत्यु को प्राप्त होना– अंधा भिखारी गिर पड़ा और उसके प्राण पखेरू उड़ गए।

4. बुरा न मानना– राहुल किसी भी बात का बुरा नहीं मानता है।

ग. 1. मैला, मन **2.** बर्फीले, पहाड़ों

3. गरम-गरम, चाय **4.** कड़वी, बातें

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter **8**

शिक्षा का उपयोग

पाठ बोध

क. 1. (c) **2.** (a) **3.** (d) **4.** (b)

ख. 1. गाँव में चैतन्य नामक **महाविद्वान** आया।

2. कुछ ही समय में देवव्रत की **प्रतिष्ठा** बढ़ गई।

3. परमानंद का सच्चा **उत्तराधिकारी** देवव्रत ही है।

4. वह विद्यार्थियों को मुफ़्त में ही **शिक्षा** देता था।

5. परमानंद का **अचानक** देहांत हो गया।

ग. 1. परमानंद के मन में विचार आया कि सारे गाँव के लोगों को शिक्षा देनी चाहिए।

2. महाविद्वान चैतन्य ने परमानंद को पुरस्कार के रूप में सम्मान-पत्र तथा धन दिया।

3. आनंददेव भी अपने पिता के समान योग्य व प्रतिभाशाली था, लेकिन उसका स्वभाव परमानंद से भिन्न था।

4. आनंददेव ने कुछ नियम बनाए, जिनमें से एक था प्रत्येक विद्यार्थी को उचित शिक्षा-शुल्क देना होगा एवं प्रत्येक को खाने व कपड़ों का खर्च स्वयं वहन करना होगा। इन नियमों के आते ही गरीब विद्यार्थियों ने पाठशाला छोड़ दी।

भाषा बोध

क. 1. (iv) **2.** (i) **3.** (v) **4.** (vi)

5. (iii) **6.** (ii)

ख. **1.** पाठशालाएँ **2.** गोष्ठियाँ **3.** वस्तुएँ **4.** नदियाँ
5. कठिनाइयाँ **6.** तालियाँ

ग. **1.** घ् + अ + र् + अ **2.** द् + इ + न् + अ
3. न् + ई + र् + अ **4.** श् + इ + क् + ष् + आ
5. म् + उ + फ् + त् + अ **6.** श् + इ + ष् + य् + अ

घ. **1.** निडर **2.** नियम **3.** प्रबल **4.** प्रयोग
5. निषेध **6.** निवेश **7.** प्रकार **8.** प्रताप
9. निपुण **10.** निकास **11.** प्रचार **12.** प्रवाह

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter **9**

सौर ऊर्जा

पाठ बोध

क. **1.** (b) **2.** (a) **3.** (d) **4.** (c)

ख. **1.** हमें शारीरिक काम करने के लिए **ऊर्जा** चाहिए।
2. **प्रकृति** ने हमें ऊर्जा के अनेक स्रोत और भंडार दिए हैं।
3. सूर्य में ऊर्जा का असीम **भंडार** है।
4. सौर बैटरी से कुछ देशों में **वाहन** भी चलने लगे हैं।
5. सौर ऊर्जा के दो और विशेष **लाभ** भी हैं।

ग. **1.** (✓) **2.** (✓) **3.** (✗) **4.** (✓) **5.** (✓)

घ. **1.** सूर्य से प्राप्त होने वाली ऊर्जा को सौर ऊर्जा कहते हैं।
2. हमें ईंधन, कोयला, सूर्य, खनिज, तेल आदि से ऊर्जा मिलती है।
3. सौर ऊर्जा कभी समाप्त न होने वाली और प्रदूषण रहित ऊर्जा है। इसलिए यह अन्य ऊर्जा स्रोतों से उत्तम है।
4. सौर ऊर्जा की मदद से अनाज, मसाले, लकड़ी आदि जल्दी सुखाए जा सकते है। सौर ऊर्जा की मदद से सागर के खारे पानी को पीने लायक बनाया जा सकता है।

भाषा बोध

क. **1.** मैंने राम को कल सुबह बुलाया है।
2. अमन ने रोटी खाई।

3. रोहन ने गुरु जी से पूछा।
4. वह भूख से बहुत बेचैन है।

ख. **1.** होती है **2.** है **3.** देता है। **4.** जाते है
5. जोतता है **6.** धोता है **7.** पकाती है **8.** जाता है

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter **10**

चेतक

पाठ बोध

क. **1.** (b) **2.** (a) **3.** (c)

ख. **1.** कौशल दिखलाया **चालों में**,
उड़ गया भयानक भालों में।
निर्भीक गया **वह ढालों में**,
सरपट दौड़ा करवालों में।।

2. बढ़ते नद-सा **वह लहर गया**,
वह गया गया फिर ठहर गया।
विकराल **वज्रमय बादल सा,**
अरि की सेना पर घहर गया।

ग. **1.** चेतक अन्य घोड़ों की अपेक्षा बहुत तेज हवा की भाँति दौड़ता था। इसलिए वह इतना निराला था।

2. चेतक पलभर में इधर-से-उधर जाकर शत्रुओं पर आक्रमण कर देता था। वह निडर और साहसी था। इसलिए शत्रुओं को सब जगह उपस्थित लगता था।

3. चेतक किसी भी प्रकार के आक्रमण से नहीं डरता था और राजा के शत्रु पर आक्रमण कर देता था। इसलिए कवि ने चेतक की तुलना वज्र से की है।

4. चेतक की वीरता और निडरता देखकर शत्रु दंग रह जाते थे।

5. इस कविता के लेखक श्यामनारायण पांडे हैं।

घ. **1.** कवि कहता है कि, वो नदी की लहरों के समान आगे बढ़ता जाता था और जहाँ-जहाँ भी जाता उसके पैरों की टाप से शत्रु के कान झन्ना उठते थे। और दुश्मनों के हाथों के भाले और तलवारें गिर जाती थीं। घोड़े की वीरता को देखकर दुश्मन दंग रह जाते थे।

भाषा बोध

क. **1.** निडर **2.** स्थान **3.** पवन **4.** युद्ध
5. आकाश **6.** अश्व

ख. **1.** घोड़े की वीरता को देखकर दुश्मन दंग रह जाते थे।

2. राणा प्रताप ने अकेले ही दुश्मनों के छक्के छुड़ा दिये।

3. राणा प्रताप का घोड़ा इतनी तीव्र गति से दौड़ता था, मानो वह हवा को भी मात दे रहा हो।

ग. **1.** पाताल **2.** चलना **3.** उठना **4.** भीरू
5. मित्र **6.** घटना

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter **11**

राष्ट्रभक्ति

पाठ बोध

क. **1.** (a) **2.** (d) **3.** (c) **4.** (c)

ख. **1.** स्वामी जी शुद्ध **शाकाहारी** थे।
2. धन्य है यह और धन्य है इसकी **राष्ट्रभक्ति**!
3. जापान में एक प्रसिद्ध **चित्रकार** रहता था।
4. ये **चावल** मेरे देश का प्रसाद हैं।
5. नवयुवक के कपड़े **पसीने** से भीग रहे थे।

ग. **1.** (✓) **2.** (✗) **3.** (✓) **4.** (✗) **5.** (✓)

घ. **1.** (iv) **2.** (v) **3.** (vi) **4.** (i)
5. (ii) **6.** (iii)

ङ. **1.** स्वामी जी उस युवक की राष्ट्रभक्ति पर मुग्ध हो गए और उसे बहुत आशीर्वाद दिया।
2. वह अपने देश से लाए चावल ढूँढ रहा था, लेकिन वे मिल नहीं रहे थे। इससे वह परेशान होने लगा और मन ही मन बड़बड़ाने लगा।
3. स्वामी रामतीर्थ जापान की यात्रा कर रहे थे।
4. अपने देश की बुराई उससे सहन नहीं हुई। वह शीघ्र ही अगले स्टेशन से उतरा और दौड़कर बाहर गया। और फलों की टोकरी लाकर स्वामी जी के सामने रख दी।
5. वे चावल उसके देश जापान के थे। वह जब भी भोजन बनाता तो थोड़े चावल उसमें से डाल लेता ताकि देश से संपर्क बना रहे।

भाषा बोध

क. **1.** प्यास **2.** अशुद्ध **3.** मांसाहारी **4.** बुरे
5. विदेश **6.** श्राप **7.** देशद्रोह **8.** शैतान

ख. 1. र् + आ + म् + अ + त् + ई + र् + थ् + अ

2. श् + आ + क् + आ + ह् + आ + र् + ई

3. स् + अ + ह् + अ + य् + आ + त् + र् + ई

4. न् + अ + व् + अ + य् + उ + व् + अ + क् + अ

5. भ् + अ + ग् + अ + व् + आ + न् + अ

ग.	**उद्देश्य**	**विधेय**
1.	स्वामी जी	रेलयात्रा कर रहे थे
2.	स्वामी जी	शुद्ध शाकाहारी थे
3.	ताजे फल	जापान में नहीं मिलते है
4.	युवक ने	रुपये नहीं लिए
5.	युवक ने	स्वामी से प्रार्थना की
6.	एक प्रसिद्ध चित्रकार	जापान में रहता था

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter **12**

अजंता-एलोरा की गुफाएँ

पाठ बोध

क. 1. (c) **2.** (a) **3.** (d) **4.** (b)

ख. 1. यही **अजंता** नामक गाँव है।

2. इन गुफाओं में केवल **प्रार्थना** की जाती थी।

3. हम सभी लोग **नियत** समय पर स्टेशन पहुँचे।

4. यात्रा में बड़ा **आनंद** आ रहा था।

5. यह यात्रा हमें प्राचीन **धरोहर** तथा संस्कृति की याद ताज़ा कराती है।

ग. 1. (✗) **2.** (✓) **3.** (✓) **4.** (✓) **5.** (✓)

घ. 1. यात्रा के कार्यक्रम में अजंता-एलोरा की गुफाओं को देखने का निश्चय किया गया।

2. अजंता में छोटी-बड़ी कुछ गुफाएँ हैं, इनमें 24 विहार गुफाएँ हैं। इनमें पाँच मन्दिर हैं, जिन्हें चैत्य गुफाएँ कहते हैं।

3. अजंता की गुफाओं का निर्माण गुप्त काल में हुआ। ऐसा अनुमान है कि पहली गुफा के चित्र 100 ई० और सबसे बाद की गुफा के चित्र 628 ई० में बने।

4. गुफा में एक छेद से इतना प्रकाश आ रहा है कि उससे लगभग सारी गुफाएँ जगमगा रही थीं।

5. पथ-प्रदर्शक ने हमें गुफाओं में अंकित एक जातक कथा के बारे में बताया। उसने बताया कि महात्मा बुद्ध के पिछले जन्म का नाम बोधिसत्व था। वह एक हिरन था।
6. हमारे इतिहास शिक्षक ने बताया, इन गुफाओं का निर्माण 300 ई० से आरंभ हुआ और ये 1300 ई० में बनकर तैयार हुई। आज ये गुफाएँ हिन्दू, बौद्ध और जैन धर्मों का सुंदर संगम स्थल हैं।

भाषा बोध

क. **1.** देवता **2.** भिक्षुणी **3.** राजकुमार **4.** पति
5. शिक्षिका **6.** हिरण **7.** संन्यासिन **8.** पहाड़

ख. **1.** गुफाएँ **2.** खिड़कियाँ **3.** यात्राएँ **4.** नदियाँ
5. मूर्तियाँ **6.** चट्टानें **7.** रेलगाड़ियाँ **8.** गैलरियाँ

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter **13**

जब मैं पढ़ता था

पाठ बोध

क. **1.** (a) **2.** (b) **3.** (d) **4.** (b)

ख. **1.** स्वयं करे।

ग. **1.** ✓ **2.** ✗ **3.** ✓ **4.** ✗ **5.** ✓

घ. **1.** गांधी का जन्म 2 अक्टूबर, 1869 को पोरबंदर में हुआ।
2. गांधी के पिता का नाम करमचंद गांधी और माता का नाम पुतलीबाई था।
3. गांधी जी पर दो नाटकों का प्रभाव पड़ा–पितृभक्त श्रवण, और दूसरा सत्यवादी 'हरिश्चंद्र' का।
4. अपने से बड़ों तथा शिक्षकों का अप्रसन्न होना उनसे सहन नहीं होता था।
5. गांधी जी का मन व्यायाम और क्रिकेट जैसे खेल खेलने में नहीं लगता था।

भाषा बोध

क. **1.** धर्म + इक **2.** प्र + भाव **3.** पढ़ + आई **4.** आ + चरण
5. शिक्षा + अक **6.** अ + सहय **7.** होशियार + ई **8.** प्र + वृत्ति

ख. **1.** सत्य + प्रिय **2.** पितृ + भक्ति **3.** मातृ + भक्ति **4.** चित्र + कला
5. मंद + बुद्धि **6.** प्रधान + मंत्री

ग. 1. अनुदार **2.** अन्याय **3.** अनुचित **4.** अनिच्छा
5. असहय **6.** अप्रसन्न

घ. 1. संकोची **2.** सत्यप्रिय **3.** सत्यवादी **4.** सत्याग्रह
5. आस्तिक

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter **14**

हकीम अजमल खाँ

पाठ बोध

क. 1. (d) **2.** (c) **3.** (a) **4.** (c)

ख. 1. इनके नाम पर करोलबाग में एक बड़ा **पार्क** है।
2. जो दूसरों की रक्षा करता है, **भगवान** भी उसकी रक्षा करते हैं।
3. वे समाज की **भलाई** के लिए दिन-रात जुटे रहते थे।
4. हकीम अजमल खाँ के पिता बहुत **दयालु** थे।
5. हकीम जी तुरंत डिब्बे से उतरे और **घायलों** को बचाने में जुट गए।

ग. 1. (iv) **2.** (v) **3.** (vi) **4.** (i)
5. (ii) **6.** (iii)

घ. 1. हकीम अजमल खाँ ने अपने घर में अच्छी आदतें सीखी।
2. इन्होंने जामिया मिलिया इस्लामिया विद्यालय खोला, बल्लीमारान विद्यालय, तिब्बिया कॉलेज की नींव डाली।
3. हकीम जी तुरंत डिब्बे से उतरे और घायलों को बचाने में जुट गये।
4. ये उन लोगों के नाम होते हैं, जो समाज की भलाई करने के लिए दिन-रात जुटे रहते हैं।
5. अजमल खाँ ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा घर पर ही प्राप्त की।
6. उनके अच्छे कामों ने हमें बहुत प्रभावित किया।
7. अजमल खाँ का देहांत दिसंबर, 1927 में उत्तर प्रदेश के कस्बा रामपुर में हुआ।

भाषा बोध

क. 1. सड़ा बछड़ा घड़ा पड़ा
पढ़ गढ़ अलीगढ़ चढ़ाई

ख. 1. रहमदिल, किसान **2.** रईस, बनिया
3. परिश्रमी, महिला **4.** दयालु, व्यक्ति
5. गरीब, किसान

ग. 1. दयालु **2.** अच्छी **3.** महान **4.** बड़ा **5.** काफी

घ. 1. घाटियाँ **2.** बुराइयाँ **3.** सड़कें **4.** डिब्बे
5. आदतें **6.** कुर्ते **7.** रोटियाँ **8.** दवाइयाँ
9. नदियाँ **10.** लड़ाइयाँ **11.** रेलें **12.** पैसे

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter **15**

नीति के दोहे

पाठ बोध

क. 1. (c) **2.** (c) **3.** (a)

ख. 1. दुःख में **सुमिरन** सब करैं।
2. जहाँ काम आवै सूई, कहा करै **तरवारि**।
3. जे गरीब पर हित करैं, ते **रहीम** बड़ लोग।
4. जानि परत हैं काक- **पिक**, ऋतु **बसंत** के माहिं।
5. तरुवर **फल** नहिं खात है।

ग. 1. लोगों पर जब दुख आता है, तब वे भगवान को याद करते हैं, लेकिन सुख आने पर भगवान को भूल जाते हैं।
2. बड़ी वस्तु प्राप्त होने पर छोटी वस्तु कभी नहीं फेंकनी चाहिए, क्योंकि बहुत-से काम ऐसे होते हैं, जहाँ पर छोटी वस्तु ही काम आती है।
3. इस बात के लिए कवि ने पेड़ों तथा नदियों के उदाहरण दिए हैं कि पेड़ स्वयं अपने फल नहीं खाते हैं और न नदियाँ अपना पानी स्वयं पीती हैं।
4. रहीमदास जी कहते हैं कि बड़े लोग सदैव गरीबों का कल्याण करते हैं।
5. रहीमदास जी ने उन लोगों को मरा हुआ बताया जो माँगने पर कुछ भी देने से मना कर देते हैं।
6. रहीमदास जी कहते हैं कि कौआ और कोयल तब तक एक जैसे लगते हैं, जब तक वे बोलते नहीं है। लेकिन जब वसंत ऋतु आती है, तब कोयल बोलने लगती है। तभी उनका भेद खुला जाता है।

घ. 1. तरुवर फल नहिं खात है, सरवर पियहिं न पान।

2. रहिमन वे नर मर चुके, जे कहुँ माँगन जाहिं।

3. दोनों रहिमन एक से, जौं लौं बोलत नाहिं।

4. जानि परत है काक–पिक, ऋतु बसंत के माहिं।

ङ. 1. कोई **2.** क्या **3.** देखी **4.** तलवार

5. बड़ों **6.** कहीं भी

भाषा बोध

1. पानी, जलना **2.** चिट्ठी, पत्ता **3.** दिशा, पहले **4.** हाथ, टैक्स

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter **16**

सच्चा तीर्थ

पाठ बोध

क. 1. (a) **2.** (c) **3.** (d) **4.** (a)

ख. 1. किसी गाँव में दो **मित्र** रहते थे।

2. ये यात्री बड़े ही **पुण्यात्मा** हैं।

3. मेहनत ही सबसे बड़ा **धन** है।

4. पहला बूढ़ा उस घर के **दरवाजे** पर ही ठहर गया।

5. मानव की सेवा ही **भगवान** की सेवा है।

ग. 1. (v) **2.** (iii) **3.** (i) **4.** (ii) **5.** (iv)

घ. 1. दोनों के मन में ही तीर्थ–यात्रा की लालसा थी।

2. मानव की सेवा ही सबसे बड़ा धन है।

3. गाँव के लोग उन्हें पुण्यात्मा व भाग्यशाली तीर्थयात्री मानकर उनका आदर–सत्कार करते थे।

4. घर में जाकर बूढ़े ने देखा– कि एक स्त्री, एक पुरुष, एक बच्चा तीनों ही भूख से दम तोड़ने वाले हैं।

5. दूसरा बूढ़ा पहले बूढ़े को भगवान की मूर्ति के पास बैठा देखकर हक्का–बक्का रह गया।

भाषा बोध

क. 1. गुणवान **2.** रूपवान **3.** ज्ञानवान **4.** पुत्रवान

ख. 1. जल्दबाजी करना– तुम इतने उतावले क्यों हो रहे हो?

2. दुखी होना– घर में भूख से बच्चे चीत्कार रहे थे।

3. आश्चर्यचकित होना– तुम्हारी बातें सुनकर मैं हक्का-बक्का हो गया।
4. मर जाना– रमेश के पिता ने अस्पताल में दम तोड़ दिया।

ग. 1. दोनों व्यक्ति पक्के मित्र नहीं थे।
2. पहले बूढ़े ने अपनी जायदाद पुत्रों में नहीं बाँटी।
3. मार्ग में कोई अकालग्रस्त गाँव नहीं पड़ा।
4. पहले बूढ़े ने गरीबों को अपना खाना नहीं खिलाया।
5. उसने कुछ बीज खरीदकर खेत में नहीं बोए।
6. दूसरा बूढ़ा नहीं चला गया।
7. गाँववालों ने पहले व्यक्ति का स्वागत नहीं किया।
8. दूसरे बूढ़े के मन में शांति नहीं थी।
9. हमें गरीबों की सेवा नहीं करनी चाहिए।
10. गरीबों की सेवा भगवान की पूजा नहीं होती।

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter **17**

संगीत सम्राट तानसेन

पाठ बोध

क. 1. (a) 2. (d) 3. (c)

ख. 1. अकबर तानसेन के गायन से बड़े **प्रभावित** हुए।
2. रीवाँ नरेश ने तानसेन को रत्नजड़ित **पादुकाएँ** उपहारस्वरूप दीं।
3. तानसेन एक झाड़ी में छिप गए और **शेर** की तरह दहाड़ने लगे।
4. तानसेन ने लगभग दस वर्ष तक **संगीत शिक्षा** प्राप्त की।
5. अकबर ने कहा–तुम्हारा संगीत **हीरे-जवाहरातों** से कई गुना कीमती है।

ग. 1. ✗ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✓

घ. 1. (iii) 2. (iv) 3. (i) 4. (ii)

ङ. 1. तानसेन का जन्म आज से लगभग साढ़े चार सौ वर्ष पूर्व ग्वालियर के निकट एक गाँव में हुआ था।
2. गुरु हरिदास ने तानसेन की शेर की दहाड़ की नकल की प्रशंसा की और इन्हें अपना शिष्य बना लिया। तानसेन ने उनसे लगभग दस वर्ष तक संगीत-शिक्षा प्राप्त की।

3. तानसेन के संगीत में इतनी शक्ति थी कि वे किसी को भी भाव-विभोर कर मंत्रमुग्ध कर सकते थे।
4. तानसेन की प्रसिद्धि और सम्मान से जलकर दरबार के कुछ लोगों ने वह हार चुरा लिया जो अकबर ने उसे उपहारस्वरूप दिया था और अकबर को भड़का दिया कि तानसेन ने आपका दिया वह हार भारी कीमत लेकर बेच दिया है।
5. तानसेन की याद में हर साल ग्वालियर में उनकी समाधि पर संगीत समारोह आयोजित किया जाता है।

च. **1.** अकबर ने **2.** तानसेन ने **3.** अकबर ने

भाषा बोध

क. **1.** संगीत मनोरंजन का सर्वोत्तम साधन है।
2. मोदी जी की ख्याति संपूर्ण विश्व में फैल गई है।
3. मोदी जी की बात सुनकर लोग मंत्रमुग्ध हो जाते हैं।
4. मैं अपने गुरु का सम्मान करता हूँ।
5. भरत श्रीराम की पादुकाएँ लेकर वापस लौट आए।
6. हमें अपने माता-पिता का सम्मान करना चाहिए।

ख. मैं, मुझे, हमें, हम
तुम, तुम्हें, तू, आप
वह, वे, उन्होंने, उन्हें, उसे

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter **18**

मैडम क्यूरी

पाठ बोध

क. **1.** (a) **2.** (b) **3.** (c) **4.** (d)

ख. **1.** बालिका का स्वर **विश्वास** से भरा था।
2. मारिया का जन्म **पोलैंड** में हुआ था।
3. ब्रोन्था मारिया की बड़ी **बहन** थी।
4. मारिया का जीवन बहुत **सादा** था।
5. प्रोफेसर पियरे क्यूरी की भी **विज्ञान** में बहुत रुचि थी।
6. उस पदार्थ में अद्‌भुत **शक्ति** होगी।

ग. **1.** (iv) **2.** (v) **3.** (vi) **4.** (i)
5. (ii) **6.** (iii)

घ. **1.** ✗ **2.** ✓ **3.** ✗ **4.** ✓
5. ✓ **6.** ✗

ङ. **1.** मैडम क्यूरी का जन्म 7 नवंबर, 1867 ई० में पोलैंड के वॉरसा नगर में हुआ।
2. मारिया नौकरी करके पैसा कमाएगी जिससे उसकी बहन पेरिस में रहकर औषधि विज्ञान का अध्ययन कर सकेगी।
3. मारिया के पति का देहांत 1906 में एक सड़क दुर्घटना में हुआ था।
4. उन्होंने दो नए पदार्थों को खोज निकाला था– पोलोनियम और रेडियम।
5. रेडियम के निरंतर अध्ययन का दुष्प्रभाव उनके स्वास्थ्य पर पड़ रहा था, जिसके कारण 4 जुलाई, 1937 को उनका देहांत हो गया।

भाषा बोध

क. **1.** वैज्ञानिक **2.** दंपत्ति **3.** डॉक्टर **4.** परिश्रमी
5. अध्येता **6.** प्रकाशक

ख. **1.** आज का युग विज्ञान का युग कहा जाता है।
2. एडीसन विश्वप्रसिद्ध वैज्ञानिक थे।
3. मुझे क्रिकेट में कोई रुचि नहीं है।
4. विज्ञान के छात्र प्रयोगशाला में प्रयोग करते हैं।
5. कुछ बच्चे गणित से घबराते हैं।
6. दिल्ली हाईवे पर भीषण दुर्घटना हुई है।

ग. **1.** व्यक्तिवाचक **2.** जातिवाचक **3.** भाववाचक

घ. **1.** विज्ञान की **शिक्षिका** ने मैडम क्यूरी के बारे में बताया।
2. पहली बार किसी **पुरुष** वैज्ञानिक को दो बार नोबेल पुरस्कार मिला।
3. वह **बालक** आगे चलकर वैज्ञानिक बना।
4. फ्रांस की **रानी** अच्छे स्वभाव की थी।
5. उनकी **पत्नी** ने उनको हर संभव प्रोत्साहन दिया।

करके देखिए

स्वयं करें।

पितृभक्त भीष्म

पाठ बोध

क. 1. (a) **2.** (b) **3.** (c) **4.** (b)

ख. 1. भीष्म **आठवें** वसु थे।

2. भीष्म ने धनुर्वेद की शिक्षा **परशुराम** से पाई थी।

3. सत्यवती का पालन-पोषण **निषादराज** के यहाँ हुआ था।

4. राजा शांतनु **पुरू** वंश में उत्पन्न हुए थे।

5. राजा शांतनु ने अपने पुत्र का नाम **देवव्रत** रखा।

ग. 1. (iii) **2.** (iv) **3.** (i) **4.** (ii)

घ. 1. भीष्म महाराजा शान्तनु के पुत्र थे।

2. महर्षि वशिष्ठ ने देवव्रत को सागोपांग वेदों की शिक्षा दी। दैत्यगुरु शुक्राचार्य तथा देवगुरु बृहस्पति ने भी उनको शिक्षा दी थी। भगवान परशुराम ने उन्हें धनुर्वेद की शिक्षा दी थी।

3. उन्होंने अपने पिता के जीवन में खुशी लाने के लिए आजीवन विवाह नहीं किया।

4. राजा शान्तनु ने भीष्म को इच्छा-मृत्यु का वरदान दिया था। क्योंकि उन्होंने अपने पिता के सुख के लिए आजीवन अविवाहित रहने की प्रतिज्ञा की थी।

5. "यह मेरी पुत्री नहीं है। यह भी उच्च राजकुल में उत्पन्न हुई है।इसके पिता इसे मेरे पास छोड़कर वन में तपस्या के लिए गए हैं। उनकी भी इच्छा है कि इसकी शादी आपके पिता के साथ हो, किन्तु इस सम्बन्ध में यह दोष है कि इसके पुत्रों की आपसे प्रतिद्वंद्विता हो जाएगी और आपसे शत्रुता करके तो देवता भी जीवित नहीं रह सकते।"

भाषा बोध

क. 1. भागीरथी, मंदाकिनी, सुरसरि

2. नरेश, महीपाल, भूप

3. अमर, अजर, सुर

ख. 1. **भीष्म शान्तनु** के पुत्र थे।

2. **नदियाँ देश** के लिए उपहार हैं।

3. **आठवाँ** बच्चा भी वसु है।

करके देखिए

स्वयं करें।

Chapter **20**

मेरी ऊँची उड़ी पतंग

पाठ बोध

क. **1.** (a) **2.** (d) **3.** (b) **4.** (a)

ख. **1.** करती हुई **हवा से होड़**
नभ को छूने चली पतंग
चरखी के संग चक्कर खाती
भरती है चौकड़ी पतंग।

2. कभी उलझ **जाती बच्चे सी**
मानो जिद पर अड़ी पतंग
पेंच-पेंच **के दाँव-पेच में**
दिखलाती हेकड़ी पतंग।

ग. **1.** कविता में पतंग के विषय में बताया गया है।

2. पतंगें तरह-तरह के आकारों की होती हैं, ये छोटी, मँझली और बड़ी, रंग बिरंगी होती हैं।

3. पतंग तेज हवा में चिड़चिड़ करती है और चिड़चिड़ी हो जाती है।

4. जब पतंग कट जाती है तो लूटने के चक्कर में गड़बड़ी करवाती है।

5. हवा बंद होने पर पतंग गिर पड़ती है।

भाषा बोध

क. **1.** छबीली **2.** पतंग **3.** हेकड़ी **4.** संग

ख. **1.** मुझे पतंग उड़ाना बहुत पसंद है।

2. मेरी दादी जी चिड़चिड़ी हो गई हैं।

3. यह पेटी बहुत हल्की-फुल्की है।

4. जय शेर को देखकर सारी हेकड़ी भूल गया।

5. इस बार चुनाव में कोई गड़बड़ी नहीं हुई।

करके देखिए

स्वयं करें।